शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज

लखनऊ, शुक्रवार 17 जनवरी 2025 नगर संस्करण | पृष्ठ:-8 मूल्य:-4 रूपया | वर्षः- 14, अंक 05

सीएम आतिशी और संजय सिंह ... ● लखनऊ से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र ● स्मृति मंधाना बोलीं- विश्व कप की तैयारी शानदार...

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता

मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को किया ढेर

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज बृहस्पतिवार को सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आई है। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण बीजापुर के जंगल में सुबह करीब नौ बजे उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। सूत्रों के हवाले से पता चला है

कि 3000 से अधिक जवानों ने जंगल में मौजूद नक्सलियों को चारो तरफ से घेर रखा है। मुठभेड़ अभी भी जारी है। मरने वाले नक्सलियों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अधिकारी ने बताया कि तीन जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशिष्ट जंगल युद्ध इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन) की पांच बटालियन और सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के जवान इस अभियान में शामिल हैं। गुरुवार सुबह से ही सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही थी। जवान अभी भी जंगल में हैं और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। हम शुक्रवार सुबह मुठभेड़ के बारे में और जानकारी देंगे, अभियान का जायजा ले रहे एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक भी बरामद किए हैं।

आपको बता दें कि बीजापुर मुठभेड़ इस साल छत्तीसगढ़ में सफल माओवादी विरोधी अभियानों की श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले बीजापुर के मद्देड़ थाना क्षेत्र में 12 जनवरी को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में दो महिलाओं समेत पांच नक्सली मारे गए थे। घटनास्थल से पांचों के शव के साथ एसएलआर और राइफल बरामद हुए थे। पुलिस ने बताया कि छत्तीसगढ़ में दो वर्षों में सुरक्षा बलों पर सबसे बड़ा हमला करते हुए नक्सलियों ने इस महीने की शुरुआत में बीजापुर जिले में 60 से 70 किलोग्राम वजनी संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में धमाका किया था। इसकी चपेट में सुरक्षाबलों का एक वाहन आ गया और उसमें सवार आठ सुरक्षाकर्मी और उनके चालक की मौत हो गई थी।

हाईकोर्ट से बीपीएससी रिजल्ट पर रोक नहीं लेकिन भविष्य फैसले पर निर्भर

31 जनवरी को अगली सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। बीपीएससी 70वीं पीटी के रिजल्ट पर रोक लगाने से हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। गड़बड़ी की शिकायत को लेकर अभ्यर्थियों की ओर से दायर अर्जी पर गुरुवार को न्यायमूर्ति अरविंद सिंह चंदेल की एकलपीठ ने सुनवाई की। आवेदकों की ओर से वरीय अधिवक्ता यदुवंश गिरि ने बहस करते हुए कहा कि आयोग ने 13 दिसंबर और 4 जनवरी को पीटी लिया, लेकिन परीक्षा के लिए आयोग की ओर से जारी एसओपी का पालन कई केंद्रों पर नहीं किया गया। बहस के दौरान कहा गया कि अभ्यर्थी घड़ी, मोबाइल लेकर परीक्षा दे रहे थे। बारह बजे से दो बजे तक होने वाली परीक्षा में छात्रों को पौने एक बजे तक प्रश्नपत्र नहीं दिया गया। जबकि उसी सेंटर पर दूसरे छात्रों को समय से प्रश्नपत्र दे दिया गया था। एक बज कर 6 मिनट पर प्रश्नपत्र एक्स और व्हाट्सएप पर चलने लगा। कई केंद्र पर जैमर नहीं लगा था। यही नहीं परीक्षा के एक दिन पहले सेंटर को बदल दिया गया। सबसे ज्यादा गड़बड़ी बाबू परीक्षा परिसर में हुई।

कांग्रेस नेता एम.आर. रवि की सड़क हादसे में मौत

पूचक्कल। कांग्रेस के स्थानीय नेता एम.आर. रवि का बृहस्पतिवार को एक सड़क हादसे में निधन हो गया। यह हादसा अलप्पुझा जिले के पूचक्कल के पास सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब वह सुबह की सैर पर निकले थे। एम.आर. रवि (70) अलप्पुझा जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) की कार्यकारी समिति के सदस्य थे। वह बस स्टैंड के पास खड़े थे। इस दौरान एक तेज रफ्तार निजी बस ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। पूचक्कल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे के बाद लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है। बस चालक और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

मल्होत्रा दोबारा चंडीगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के तहत जतिंदर पाल मल्होत्रा को दूसरी बार चंडीगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। इस दौरान संजय टंडन और पूर्व सांसद किरण खेर को राष्ट्रीय परिषद सदस्य के तौर पर चुना गया। चुनाव प्रक्रिया भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जम्मू-कश्मीर के विधायक और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. नरिंदर सिंह रैना ने रिटर्निंग अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका निभाई, जबकि पंजाब के विधायक अश्वनी शर्मा को चंडीगढ़ संगठन पर्व के लिए राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। चुनाव के बाद आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जतिंदर पाल मल्होत्रा को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। अपने संबोधन में श्री मल्होत्रा ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी मेरे लिए एक सम्मान है। हमारा लक्ष्य पार्टी की नीतियों को हर घर तक पहुंचाना और चंडीगढ़ की जनता की सेवा में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनता की भलाई के लिए नई योजनाओं पर काम करने का संकल्प लिया।

8वें वेतन आयोग को मंजूरी

घोषणा के बाद केंद्र सरकारियों के वेतन में होगी वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में संशोधन के लिए 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार 16 जनवरी को घोषणा की।

8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी और डीए समेत अन्य भत्तों में बड़ा इजाफा होगा। आइए जान लेते हैं कि केंद्रीय कर्मचारियों की कितनी सैलरी बढ़ जाएगी। फिटमेंट फैक्टर, सरकारी कर्मचारियों और रिटायर कर्मचारियों के वेतन और पेंशन को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कैल्कुलेशन है। फिटमेंट फैक्टर के आधार पर अलग-अलग लेवल पर सैलरी में

बढ़ोतरी की जाती है। हालांकि, इसमें भत्ते को नहीं जोड़ा जाता है।

ऐसा अनुमान है कि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में बड़ा इजाफा होगा। वर्तमान में मिनिमम बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है, जो लेवल 1 के तहत आने वाले कर्मचारियों को मिलती है। नई सिफारिशें लागू होने के बाद यह सैलरी स्ट्रक्चर रिवाइज हो जाएगा और लेवल 1 कर्मचारियों की पूरी सैलरी डबल में आ सकती है। इसी तरह, पेंशनभोगियों की पेंशन भी बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है। हालांकि, ये सिर्फ अनुमान हैं और वास्तविक वृद्धि आयोग की सिफारिशों पर निर्भर है।

कितनी बढ़ेगी सैलरी

8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होती हैं तो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बड़े बदलाव होंगे। अब तक के पैटर्न को देखें तो सरकारी कर्मचारियों का वेतन फिटमेंट फैक्टर के आधार पर अलग-अलग लेवल पर रिवाइज होगा। बता दें कि 7वें वेतन आयोग ने सैलरी रिवीजन के लिए 2.57 के फिटमेंट फैक्टर को अप्लाई किया था। वहीं, 8वें वेतन आयोग के तहत 2.86 के हाई फिटमेंट फैक्टर की सिफारिश की जा सकती है।

कब से होगा लागू

8वें वेतन आयोग की सिफारिशें साल 2026 से लागू होंगी। दरअसल, सातवां वेतन आयोग साल 2016 में लागू किया गया था। यह सिफारिशें 10 साल के लिए थीं, जो 2026 में पूरी हो रही हैं। अब नए वेतन आयोग के गठन की मंजूरी से लेकर सिफारिशें सरकार को देने तक की प्रक्रिया में करीब डेढ़ साल लग सकते हैं। सरकार वेतन आयोग की सिफारिशों को अक्षरशः पालन

सैफ अली खान को चाकू मारने वाले की तस्वीर सामने आई

सीढ़ियों से उतरता दिखा

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर चाकू से किए गए हमले के बाद से अब तक कई तरह की अपडेट्स आईं. पर हमला करने वाले के बारे में साफ-साफ जानकारी नहीं आ रही थी। लेकिन अब मामले में सबसे बड़ा सबूत सामने आया है। सैफ अली खान पर अटैक करने वाले आरोपी की तस्वीर पुलिस को मिल गई है। सीसीटीवी फुटेज में ये शख्स सीढ़ियों से उतरते दिख रहा है।

बता दें कि एक्टर सैफ अली खान पर 15 और 16 जनवरी की दरम्यानी रात करीब 2:30 बजे चाकू से हमला किया गया। हमला उस समय हुआ जब वो मुंबई में अपने बांद्रा स्थित घर पर थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ पर हमला बच्चों के कमरे के अंदर हुआ।

माना जा रहा है कि हमलावर बच्चों के कमरे में घुसने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ये पता लगा रही है कि आखिर हमलावर उनके घर में घुसा कैसे? यह भी पता लगाया जा रहा है कि हमलावर बाहर से आया था या पहले से ही इमारत के अंदर काम कर रहा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि गार्ड ने किसी को घर में घुसते नहीं देखा।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर ही लड़ पाएंगे चुनाव

चंद्रबाबू नायडू लेने जा रहे एकदम अलग फैसला

एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कोई व्यक्ति तभी सरपंच, नगर निगम पार्षद या मेयर बन सकता है, जब उसके दो से अधिक बच्चे हों, यह संकेत देते हुए कि यह गिरती जनसंख्या को रोक देगा।

नायडू ने कहा कि वह लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नीतियां लाएंगे। उन्होंने कहा कि एक समय में, कई बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत (चुनाव) या स्थानीय निकायों में लड़ने की अनुमति नहीं थी। अब मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि कम बच्चों वाले व्यक्ति चुनाव नहीं लड़

सकते। आप सरपंच, नगर निगम पार्षद, निगम अध्यक्ष या महापौर तभी बन पाएंगे जब आपके दो से अधिक बच्चे होंगे। सीएम के अनुसार, उत्तर भारत लगभग 15 वर्षों में स्थिर प्रजनन दर का लाभ खो सकता है। उन्होंने कहा, आपके माता-पिता चार से पांच बच्चे पैदा करते थे और आपने इसे घटाकर एक कर दिया। यहां तक कि होशियार लोग भी अब कह रहे हैं कि दोगुनी आय वाले बच्चे हमें आनंद नहीं लेने देते। अगर उनके माता-पिता ने उनके जैसा सोचा होता, तो वे इस दुनिया में नहीं आते। नायडू ने कहा, सभी देशों ने यह गलती की है और हमें सही समय पर निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक बच्चे पैदा करने के महत्व पर जोर नहीं दिया गया और स्थिति हाथ से बाहर हो गई। दक्षिण कोरिया, जापान और महाद्वीपीय यूरोप जैसे देशों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उन जगहों पर लोगों को आबादी कम होने के खतरे का एहसास नहीं था, बल्कि उन्होंने केवल धन पैदा करने, आय बढ़ाने और उन देशों को आगे ले जाने पर ध्यान केंद्रित किया।

आगरा में बेकरी का ओवन फटा, 14 कर्मचारी झुलसे

आगरा। आगरा में बेकरी का ओवन फटने से 14 से अधिक कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। इस दौरान अफरातफरी मच गई। झुलसे कर्मचारी रोड पर करीब 1 घंटे तक तड़पते और मदद की गुहार लगाते रहे। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना दोपहर 1 बजे की हरीपर्वत के ट्रांसपोर्ट नगर में मेडले बेकर्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि झुलसे कर्मचारियों को अस्पताल ले जाने की बजाय पुलिस वीडियो बनाती रही। जब स्थानीय लोगों ने उन्हें पुलिस की गाड़ी में बैठाया, तब उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। हादसे के समय मैनेजर जितेंद्र बेकरी में मौजूद थे।

पीएम मोदी सुरक्षा में चूक मामला

आरोपियों के खिलाफ जोड़ी गई हत्या के प्रयास की धारा, भड़के किसान नेता

एजेंसी

चंडीगढ़। तीन साल पहले पीएम नरेंद्र मोदी के फिरोजपुर दौरे के दौरान हुई सुरक्षा चूक मामले में अब पुलिस ने नया ऐक्शन लिया है। प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास की नई धारा जोड़ी गई है। इस मामले में 25 किसानों को आरोपी बनाया गया था।

अपनी मांगों के लिए जुटे किसानों ने पीएम मोदी का काफिला रोक दिया था। पुलिस के नए ऐक्शन को लेकर किसान नेताओं में नाराजगी है। खनौरी में किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने

ऐलान किया है कि यदि किसी भी किसान को पुलिस ने गिरफ्तार करने का प्रयास किया तो वे इसका जबरदस्त विरोध करेंगे। 5 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिरोजपुर जाना था, लेकिन मोगा-फिरोजपुर रोड पर किसान संगठनों की ओर से उनके काफिले को रोक दिया गया था। उस समय पुलिस ने रास्ता अवरुद्ध करने की धाराओं अधीन मामला दर्ज किया था, लेकिन 3 साल की जांच के बाद अब पुलिस ने किसान भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) के प्रदेशाध्यक्ष बलदेव सिंह जीरा सहित 25 किसानों के खिलाफ हत्या प्रयास की धारा 307 के अधीन मामला दर्ज कर दिया है।

किसान नेताओं की चेतावनी

इस एफ.आई.आर. के दर्ज होने के बाद खनौरी में आयोजित प्रैसवार्ता दौरान किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने ऐलान किया कि यदि एफ.आई.आर. नामजद किए किसी भी किसान को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया तो किसान इसका जबरदस्त तरीके से विरोध करेंगे।

उन्होंने कहा कि केंद्र और सुप्रीम कोर्ट के दबाव में काम करते हुए पंजाब सरकार ने पुलिस को उक्त एफ.आई.आर. दर्ज करने का आदेश दिया। दर्ज एफ.आई.आर. में जनवरी 2022 के दौरान ही संगीन धाराओं को जोड़ दिया गया था। इसका खुलासा उस समय हुआ, जब फिरोजपुर की अदालत में कमलजीत सिंह नामक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री के काफिले को रोकने के मामले में जमानत याचिका दायर की। सैशन अदालत की ओर से याचिका को रद्द करने पर इस मामले की जानकारी उजागर हुई।

RNI : UPHIN/2012/45286

शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया)

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत

YouTube shakuntimes

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश के सम्पूर्ण जिले में तहसील और ब्लाक स्तर पर संवाददाता की

प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया

यदि आप भी समाज में फैले हुए भ्रष्टाचार के विरूद्ध उठाना चाहते है आवाज़ तो शकुन टाइम्स दे रहा है आपको एक बेहतरीन मौका

अधिक जानाकरी के लिए

अपना नाम व जिला हमें

WhatsaApp करें

9935781155, 9415052283

महाकुंभ के दौरान काशी आने वाले श्रद्धालुओं को उच्च स्तरीय बुनियादी व्यवस्थाये उपलब्ध करायी जाय: मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने श्री कालभैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया

बजरंग बली तिवारी
शकुन टाइम्स संवाददाता

- श्रद्धालुओं को किसी भी तरह कोई परेशानी का सामना न करना पड़े: योगी आदित्यनाथ
- श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों को दर्शन पूजन के दौरान कोई समस्या न होने पाये: सीएम योगी
- मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए
- राजस्व के लंबित वादों का शीघ्रता से मेरिट के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी को दिये
- वाराणसी-विंध्य क्षेत्र के तहत प्रस्तावित कार्यों में तेजी लाये: मुख्यमंत्री

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ के दौरान काशी आने वाले श्रद्धालुओं को उच्च स्तरीय बुनियादी व्यवस्थाये उपलब्ध कराये जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है।उन्होंने कहा कि शीत लहर को दृष्टिगत रखते हुए श्रद्धालुओं के रुकने के स्थान पर अलाव के साथ ही शौचालय,साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश आदि की व्यवस्था के साथ ही सुरक्षा के समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाए।इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।गंगा घाटों पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम सुनिश्चित कराया जाए बस स्टैंडो पर भी व्यवस्थाएं दुरुस्त हो,ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय भ्रमण पर गुरुवार को वाराणसी पहुंचे और सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ महाकुंभ से संबंधित तैयारियों,विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की वृहद समीक्षा कर रहे थे।उन्होंने काशी तमिल संगमम आयोजन के तैयारियों के संबंध में जानकारियां लेते हुए इसकी पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये तथा कहा कि कार्यक्रम को बेहतर और सफलतापूर्वक आयोजन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किये जायें। उन्होंने राजस्व के लंबित वादों का शीघ्रता से मेरिट के आधार पर समाधान सुनिश्चित कराने के निर्देश जिलाधिकारी को दिये।पूर्व में वरुणा रिवर फ्रंट के संबंध में दिये गये निर्देशों के क्रम में आवश्यक कारवाई को आगे बढ़ाने हेतु निर्देशित किया। वाराणसी-विंध्य क्षेत्र के तहत प्रस्तावित कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाने को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में सीवरेज लीक के कतिपय मामलों पर जलनिगम (शहरी) तथा नगर निगम को पूर्ण समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी सड़क/गली में सीवरेज ओवरफ्लो की कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिये।उन्होंने जल निगम (शहरी) को पेयजल एवं सीवरेज को लेकर आमूलचूल सुधार लाए जाने के निर्देश दिये। जलनिगम द्वारा पाइपलाइन बिछाये जाने के दौरान किए गए सड़कों के कटिंग को तत्काल दुरुस्त किए जाने हेतु निर्देशित किया।शहर को प्लास्टिक फ्री एवं स्वच्छ रखने में आमजनों के साथ जनप्रतिनिधियों को भी हिस्सा बनाकर कार्य करने पर बल दिया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता के मिशन को आगे बढ़ाने के लिये पूर्ण प्रयास किया जाये। मुख्यमंत्री द्वारा सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण के दौरान प्रभावितों को उचित मुआवजा दिये जाने के निर्देश दिये गये। मुख्यमंत्री ने सख्त रूप से किसान यूनियन एवं ट्रेड यूनियन के नामों पर अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जेल में सजा पूरी कर चुके विचाराधीन कैदियों पर त्वरित निर्णय लेते हुए उनकी रिहाई की कार्रवाई को आगे बढ़ाने हेतु निर्देशित किया।समीक्षा के दौरान कतिपय परियोजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं पाये जाने पर उन्होंने अपेक्षित कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित करते हुए इन परियोजनाओ की नियमित मॉनीटरिंग हेतु निर्देशित किया। मुख्यमंत्री द्वारा कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि पुलिस हमेशा अलर्ट मोड पर रहे ताकि किसी भी घटना को होने से रोका जा सके।महाकुंभ के दौरान को काशी आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए भीड़ नियन्त्रण के समुचित प्रबंध सुनिश्चित हो। ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने के साथ इसमें महिला पुलिस, होमगार्ड,पीआरडी के जवानों को प्रशिक्षण देकर ड्यूटी लगाने को कहा।पुलिस को 24 घन्टा गहन पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ ही ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा,टैक्सी चालकों,स्ट्रीट वेंडरों,होटलों,हॉस्टलों,होम स्टे में ठहरने वालों के सत्यापन हेतु निर्देशित किया,जिससे अवांछनीय तत्वों पर नज़र रखी जा सके।साइबर अपराधों से बचाव के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाये जाने पर बल देते हुए उन्होंने शिक्षण संस्थानों में इसके प्रति प्रशिक्षण एवं प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने नशा के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने के निर्देश देते हुए हुक्का बार आदि अवैध क्रिया कलापों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। समीक्षा के दौरान दौरान मुख्यमंत्री द्वारा गंजारी स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण कार्यों की जानकारी लेते हुए वहाँ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था के साथ अन्य आवश्यक कार्यों को निर्धारित समयावधि में तेज गति से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या 29 जनवरी से 26 फरवरी तक आने वाली भारी भीड़ के दृष्टिगत यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था की मुकम्मल तैयारी रखे जाने के निर्देश दिये।उन्होंने स्ट्रीट डॉग एवं छुट्टा पशुओं पर नियंत्रण रखने को नगर निगम को निर्देशित किया।उन्होंने जनपद में स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना तथा मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराये जाने हेतु मंडलायुक्त को निर्देशित किया।बैठक के दौरान विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र राय द्वारा रोहनिया बाजार में सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा देने तथा राजातालाब जखिनी मार्ग पर लगने वाले जाम के समाधान हेतु आरओवी बनाने की बात कही गई।

जिलाधिकारी एस. राजलिंगम द्वारा समीक्षा बैठक में महाकुंभ से संबंधित शेल्टर होम, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, पीडब्ल्यूडी,नगर निगम,स्वास्थ्य विभाग,पर्यटन विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा की गई तैयारियों व निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रगति की जानकारी प्रजेंटेशन के माध्यम से दिया गया।पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल द्वारा जनपद में कानून व्यवस्था,महाकुंभ के दृष्टिगत पुलिस विभाग द्वारा की तैयारियों तथा नये कानूनों के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गयी। बैठक में उत्तर प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, अध्यक्ष जिला पंचायत पूनम मौर्या, महापौर अशोक तिवारी, एमएलसी धर्मेंद्र राय, एमएलसी विशाल सिंह चंचल, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक टी राम, विधायक सुनील कुमार पटेल, प्रतिनिधि नीलरतन सिंह पटेल नीलू की अलावा एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया, कमिश्नर कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, संयुक्त पुलिस आयुक्त के एजिलरसन, अपर पुलिस आयुक्त एस. चिनप्पा, पूर्वांचल विद्युत वितरण लि. के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार, वीसी वीडीए पुलकित गर्ग, नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चाइनीज मंझे से जेई समेत तीन जख्मी

वाराणसी। मकर संक्रांति के दूसरे दिन बुधवार को भी लहरतारा, चौकाघाट फ्लाईओवर और भोजूबीर में तीन लोग चाइनीज मंझे में फंसकर घायल हो गए। लहरतारा में बुधवार को स्कूटी सवार तेलियाबाग निवासी 38 वर्षीय राजेश सिंह की जीभ तथा होंठ चाइनीज मंझे से कट गए। मुंह से खून निकलता देख दुकानदारों ने संभाला और कॉटन लगाया। इसके बाद घायल खुद स्कूटी चलाकर एक निजी अस्पताल पहुंचा।

वहां से उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। वह खुद ही स्कूटी से दूसरे अस्पताल चला गया। उधर, शिवपुर उपकेंद्र पर तैनात अवर अभियंता जफर इकबाल सुबह बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। भोजूबीर में चाइनीज मंझा से आंख के नीचे तथा नाक पर कट गया। पास ही अस्पताल में उपचार कराया। अपराह्न में ढेलवरिया निवासी श्यामजीत बाइक से चौकाघाट फ्लाईओवर से होते हुए लहरतारा जा रहा था। फ्लाईओवर पर पहुंचा था, तभी मंझा से माथा कट गया।

प्रतिबन्धित चाइनीज माँझा/नायलान थाना चौक द्वारा बरामद कर दो युवकों को किया गया गिरफ्तार

शकुन टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। प्रभारी निरीक्षक थाना चौक विमल कुमार मिश्र की टीम द्वारा घुघरानी गली दालमंडी व मांझे की दुकान से 254.7 कि.ग्रा. अवैध प्रतिबन्धित चाइनीज माँझा/नायलान के साथ दो युवक शहनवाज पुत्र जिलानी खान निवासी सी के 40/61 ए घुघरानी गली दालमण्डी, थाना चौक व हरिशंकर प्रजापति पुत्र स्व0 महगू राम प्रजापति नि सीके 39/27 कुंजीटोला दालमंडी चौक को गिरफ्तार किया गया तथा संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई।गिरफ्तार करने वाली पुलिस विमल कुमार मिश्र प्रभारी निरीक्षक थाना चौक,उ0नि0 भृगुपति त्रिपाठी,उ0नि0 आदित्य कुमार राय,उ0नि0 शुभम शर्मा,उ0नि0 अनूप कुमार राम,प्रशि0 म0उ0नि0 मुन्नी कुमारी,का0 अरविन्द कुमार यादव,का0 पवन कुमार,का0 दिपांशू सिंह टीम रही।

विधायक खेल महाकुंभ प्रतियोगिता का भव्य तरीके से हुआ समापन समारोह का आयोजन

विधायक खेल महाकुंभ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री जी ने प्रशस्ति-पत्र देकर किया सम्मानित

बजरंग बली तिवारी
शकुन टाइम्स संवाददाता

- मुख्यमंत्री ने 698 करोड़ रूपये की 129 विकास परियोजनाओं का बटन दबाकर किये लोकार्पण एवं शिलान्यास
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों के अन्दर विकास के नित्य नये प्रतिमान हो रहे हैं स्थापित मुख्यमंत्री

वाराणसी /सोनभद्र। प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने आज डायट परिसर उरमौरा सोनभद्र में आयोजित विधायक खेल महाकुंभ के समापन समारोह में सम्मिलित हुए,इस दौरान मुख्यमंत्री जी के समक्ष रस्साकसी के अमृत खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 60 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, इस दौरान सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भी आयोजन सांस्कृतिक प्रतियोगिता एवं बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,मुख्यमंत्री जी ने प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किये, इस दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी ने बटन दबाकर 129 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किये, जिनकी कुल लागत 698 करोड़ रूपये है, इसमें 68 परियोजनाओं का लोकार्पण, जिनकी लागत लागत 356 करोड़ 69 लाख है तथा 61 परियोजनाओं का शिलान्यास जिनकी लागत 341 करोड़ 45 लाख रूपया है। इस दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी ने विधायक खेल महाकुंभ में प्रतिभाग करने वाले विजेता प्रतिभागियों को शिल्ड व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किये, जिसमें खो-खो प्रतियोगिता में अल्का कुमारी राबर्ट्सगंज, कबड्डी बालिका वर्ग में साधना, बालीबाल बालक वर्ग में सोनू, कैरम बालक वर्ग में सुप्रिया सिंह, शतरंज बालक वर्ग में आयुष सिंह, अमृत खेल रस्साकसी में आलोक कुमार चतुर्वेदी, 100 मीटर दौड़ में सुमन, 200 मीटर दौड़ में अंजुला, 400 मीटर दौड़ में खुश्बू को प्रथम विजेजा के रूप में प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किये। संस्कृतिक प्रतियोगिता में नीतिशा विश्वकर्मा को प्रथम स्थान, रिचा त्रिपाठी को द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का सोनभद्र जिला अपने जिवाश्म पार्कों, गुफा चित्रों, खनिज और बिजली संयंत्रों के साथ ही पर्यावरण, सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से जल एवं वन से परिपूर्ण महत्वपूर्ण जनपद है, जिसमें अपार सम्भावनाए विद्यमान है, इसे देश की उर्जा राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। इस जनपद में लगभग 12 हजार मेगावाट विद्युत का उत्पादन भी हो रहा है, यहाँ का शिवद्वार मन्दिर 11वीं शताब्दी का एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है, माँ विन्ध्यवासिनी, बाबा विश्वनाथ मन्दिर, माँ ज्वालामुखी देवी मन्दिर, माँ मुण्डेश्वरी माता मन्दिर के चतुष्कोणीय आवरण के बीच ये पूरा जनपद अवस्थित है, सोनभद्र को अपनी विशेष जनाकंकीय स्थिति एवं भौगोलिक दशा के कारण देश का स्वीट्जर लैंड बनने की काबिलियत रखता है, यहाँ का सोन प्वाइंट मिनी गोवा, खंता जैसे प्राकृतिक आवरण एवं जल प्रपात पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है एवं रोजगार की अपार सम्भावनाओं का स्रोत है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत विकास के नित्य नये प्रतिमान तब स्थापित करेगा, जब उत्तर प्रदेश विकास करेगा, जब जनपद अपने मजबूती के साथ खड़ा रहेगा, केवल एक जगह के विकास से प्रदेश का विकास नहीं होगा, हमें सर्वांगीण विकास की रूप रेखा को बढ़ाना होगा, शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ साथ रोजगार, खेल-कूद की गतिविधियों को बढ़ाना होगा, मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों के अन्दर विकास के नित्य नये प्रतिमान स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है, आज एक नया भारत काशी विश्वनाथ धाम के रूप में जाना जाता है, अयोध्या में 500 वर्षों की विरासत को संरक्षित करते हुए भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य कर एक भव्य रूप के स्वरूप का दर्शन करने का अवसर प्राप्त होता है, प्रयागराज की धरती पर सदी के महाकुंभ का दर्शन करने का भी सौभाग्य प्राप्त हो रहा है, महाकुंभ में पिछले तीन दिवस में लगभग 6 करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में स्नान कर पूर्ण्य के भागीदार बने हैं, अब हर कोई प्रयागराज आना चाहता है, हर कोई काशी आना चाहता है, हर कोई अयोध्या आना चाहता है, प्रधानमंत्री जी की विरासत और विकास की परिकल्पना का साकार रूप है, जिसे पूरी दुनिया देख रही है और प्रधानमंत्री जी के कारण ही उत्तर प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कालेज की परिकल्पना साकार हो रही है, यहां के जनप्रतिनिधियों के प्रयास से जनपद सोनभद्र में मेडिकल कालेज संचालित हो रहा है, इसके साथ ही जल जीवन मिशन के तहत हर घर को नल से जल की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है और यहां के पौराणिक स्थलों का पूर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कराया जायेगा, सोलर पावर के माध्यम से जनपद को ग्रीन एनर्जी के रूप में विकसित करने का काम करेंगें, यहां के लोगों को यहां पर ही रोजगार मिले, इसके लिए भी कार्य किया जायेगा, मैं विधायक सदर को भी धन्यवाद दूंगा, जिन्होंने विधायक महाकुंभ खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया, इस प्रतियोगिता में युवा सीनियर सिटिजन बालक, बालिकाओं ने प्रतिभाग किया, रस्साकसी प्रतियोगिमा में 60 साल से अधिक सीनियर सिटिजन लोगों ने प्रतिभाग किया, जीवन केवल घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं होता है, जीवन जीवन्तता के लिए भी होता है, इसमें ज्ञान, परिश्रम और मनोरंजन भी सम्मिलित है, बालिकाओं ने कबड्डी प्रतियोगिता में नगवां व राबर्ट्सगंज के बालिकाओं ने अच्छा प्रदर्शन किया, यह प्रतियोगिता ग्राम पंचायत, ब्लाक स्तर, विधानसभा स्तर व उसके पश्चात जनपद स्तर पर आयोजित किये जाये, सभी विधायकगण अपने क्षेत्रों में इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन करें, इस विधायक महाकुंभ खेल कूद प्रतियोगिता में लगभग 11 हजार खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया है, जिसमें खो-खो, कबड्डी, रस्साकसी, दौड़, कुश्ती, कैरम, शतरंज, 1647 प्रतिभागियों द्वारा खो-खो में, 1281 कबड्डी में, 909 बालीबाल में, 2073 दौड़ में, 255 कैरम में, 172 शतरंज में, 400 रस्साकसी में, 256 क्रिकेट में एवं 3700 निबन्ध/चित्रकला में, 145 गीत संगीत, 32 दृष्टिबाधित खिलाड़ियों का क्रिकेट, 32 जिलाधिकारी एकादश एवं विधायक एकादश क्रिकेट, 10 दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसके लिए मा0 मुख्यमंत्री जी ने जनपद सोनभद्र के समूह की महिलाओं द्वारा बकरी के दूध से साबून बनाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है, यहां अन्य कार्यक्रम भी संरचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रहा है। जनपद सोनभद्र में 1 लाख 97 हजार 17 करोड़ का इन्वेस्ट एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किया गया है, इस एम0ओ0यू0 पर कार्य जनपद होगा, तो 40 हजार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगें।

डबल इंजन की सरकार इन कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ रही है, मा0 प्रधानमंत्री जी के प्रेरणा से हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम हो, गांव में खेल का मैदान हो, जनपद स्तर पर स्टेडियम हो, सरकार ने खेल कूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये हैं, खासकर ओलम्पिक खेल में एकल मेडल स्वर्ण पदक जीतने पर 6 करोड़, रजत पदक जीतने पर 4 करोड़ व कांस्य पदक जीतने पर 2 करोड़ रूपये की धनराशि दी जाती है, कामन वेल्थ्य,एशियन गेम्स में धनराशि दी जाती है, कामन वेल्थ्य में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को नौकरी भी दी जाती है, राजकुमार पाल हाकी में मेडल जीतने पर डिप्टी एसपी का पद दिया गया।

वाराणसी पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के निर्देशन मे चल रहे आपरेशन चक्रव्यूह के तहत राउण्ड द क्लॉक चल रहा चेकिंग अभियान

शकुन टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। पुलिस आयुक्त द्वारा महाकुम्भ-2025 के निर्विघ्न एवं सफल आयोजन तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा/यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत चलाये जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत विभिन्न स्थानों पर की जा रही चेकिंग का निरीक्षण किया गया। आपरेशन चक्रव्यूह के तहत चेकिंग में हुई कार्यवाही जिसमें दिनांक 08/01/2025 को थाना रामनगर क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोली से लूट का बदमाश घायल,5 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेलूपुर थाना क्षेत्र में स्वर्ण व्यवसायी से लूटा गया स्वर्ण आभूषण बरामद,दिनांक 09/01/2025 को थाना दशाश्वमेध पुलिस द्वारा चोरी की 3 मोबाइल के साथ 1 अभियुक्त गिरफ्तार,दिनांक 12/01/2025 को थाना भेलूपुर पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,दिनांक 13/01/2025 को थाना राजातालाब पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,दिनांक 13/01/2025 को थाना बड़ागाँव पुलिस द्वारा चोरी की 1 मोटरसाइकिल के साथ 1 वाहन चोर गिरफ्तार,दिनांक 13/01/2025 को थाना मिर्जामुराद पुलिस द्वारा चोरी की 1 मोटर साइकिल व चोरी के सामान के साथ 5 अभियुक्त गिरफ्तार,दिनांक 14/01/2025 को थाना फूलपुर पुलिस द्वारा अवैध शराब के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार,दिनांक 14/01/2025 को थाना चौक पुलिस द्वारा प्रतिबन्धित चाईनीज मांझा 64.500 कि0ग्रा0 के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार,दिनांक 15/01/2025 को थाना चौक पुलिस द्वारा प्रतिबन्धित मांझा 254.7 कि0ग्रा0 के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार व बिना नम्बर वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 177 वाहनों को सीज किया गया एवं वाहन सवार लोगों की पहचान सत्यापित कर हिदायत दी गयी।पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल के निर्देशन में प्रयागराज महाकुम्भ-2025 के निर्विघ्न एवं सफल आयोजन तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा/यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया जा रहा है। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत कमिश्नरेट में सभी थाना क्षेत्र के 28 स्थानों को चिन्हित कर बैरियर / बैरिकेडिंग लगाकर आपराधिक दृष्टि से सन्दिग्ध वाहन / व्यक्ति /वस्तुओं की राउण्ड द क्लॉक सघन चेकिंग करायी जा रही है।दिनांक 16.01.2025 को पुलिस आयुक्त द्वारा ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत चलाये जा रहे चेकिंग अभियान के विभिन्न प्वाइंटों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

सीएम डैशबोर्ड प्रगति की डीएम ने किया समीक्षा, अधिकारियों को सख्त निर्देश

शकुन टाइम्स संवाददाता

महराजगंज। डीएम अनुनय झा ने विकास कार्यो संबंधी विभिन्न योजनाओं की सीएम डैशबोर्ड पर प्रगति की समीक्षा किया। जिलाधिकारी ने विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी विभाग अपनी योजनाओं की समीक्षा गहन रूप से करें। जिन योजनाओं में केपीआई में परिवर्तन हुआ है। उनमें जोड़े गए नवीन बिंदुओं के अनुसार योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति को सुधारें। डाटा फीडिंग को अधिकारी अपनी निगरानी में पूर्ण कराएं। उन्होने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी

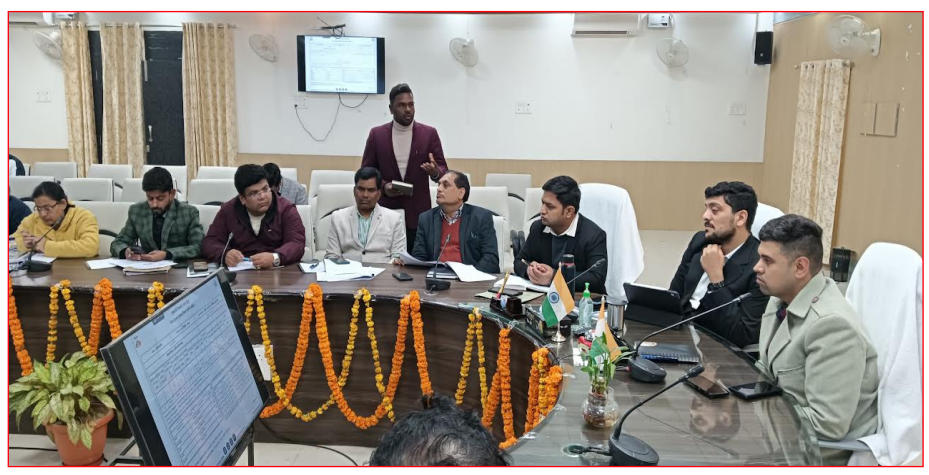

आवेदन समय सीमा के उपरांत लंबित न रहे। उन्होंने बी, सी, डी और ई ग्रेड वाली परियोजनाओं में सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया। कहा कि विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आवेदनों को कदापि लंबित न रखें और समयान्तर्गत निस्तारित करें। जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी और आरईडी को परियोजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए भुगतान में तेजी लाने हेतु कड़ा निर्देश दिया। उन्होंने दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना प्राप्त आवेदनों का विद्यालय स्तर पर निस्तारण हर हाल में समय सीमा के भीतर सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। सभी विभाग सुनिश्चित करें कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हो। विभिन्न परियोजनाओं में वित्तीय एवं भौतिक प्रगति को सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित योजनाओं/परियोजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, डीएफओ निरंजन सुर्वे, सीएमओ डॉ श्रीकांत शुक्ला, डीसी मनरेगा करुणाकर अदीब, उपायुक्त उद्योग अभिषेक प्रियदर्शी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शांत प्रकाश श्रीवास्तव, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी नीरज कुमार अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को 151 अंग वस्त्र वितरण किया गया

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। पूर्व सांसद श्री पी एल पुनिया जी के 50 वे शादी के सालगिरह व बाराबंकी के सांसद श्री तनुज पुनिया जी के जन्म दिवस के अवसर पर अंग वस्त्र और बिस्किट का किया गया वितरण पूर्व जिला अध्यक्ष श्री राकेश यादव के नेतृत्व में अपने नेता पूर्व सांसद श्री पीएल पुनिया जी के शादी के 50 वे शादी के वर्षगांठ पर व सांसद तनुज पुनिया के जन्मदिन के अवसर पर महेवा मंडी चौक पर पल्लेदार ठेले वालों को व जरूरतमंदों को 151 अंग वस्त्र और बिस्कुट का पैकेट देकर अपने नेता की लंबी आयु की कामना और देश की एकता व अखंडता आपसी भाईचारा को बचाने में अपनी भूमिका निभाने वाले तनुज पुनिया को जन्मदिन की कोटि-कोटि बधाई कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री विजय कुमार राव जी यूथ कांग्रेस के प्रदेश के सचिव श्री आदियांश गांधी जी एजाज अहमद नजमुल हुदा कमल यादव राजेश आदि लोग उपस्थित रहे।

बोलेरो-स्कार्पियो के टक्कर में पांच लोग घायल

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियाँ/चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के चहनियां कस्बा के पास बुधवार की देर रात को बोलेरो और स्कार्पियो की टक्कर में पांच लोग घायल हो गये । पुलिस और स्थानीय लोगो की मदद से घायलों को चहनियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया । वही विजय शंकर की हालत गम्भीर देख डाक्टरों ने जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया । बबुरी थाना क्षेत्र के कोदोचक गांव निवासी 42 वर्ष मुरारी प्रसाद,35वर्ष विजय शंकर,30 वर्षअनिल कुमार,16 वर्षीय खुशी बुधवार को खिचड़ी की रस्म कर अपने घर वापस जा रहे थे । सकलडीहा की तरफ से स्कार्पियो सवार अनिल कुमार भी घर जा रहा

था। चहनियां कस्बा के पास चहनियां वाया सकलडीहा मुख्य मार्ग पर स्कार्पियो-बोलेरो की आमने सामने जबरदस्त टक्कर हो गयी । स्कार्पियो सवार तो बच गया लेकिन बोलेरो में सवार सभी लोग घायल हो गये । पुलिस और स्थानीय लोगो की मदद से सभी घायलों को चहनियां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया । सभी का प्राथमिक उपचार के दौरान। विजय शंकर की हालत गम्भीर देख डाक्टरों ने जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया ।

ओटीएस कम पंजीकरण को लेकर डीएम ने दी सख़्त चेतावनी

एसडीओ लक्ष्मीपुर को प्रतिकूल प्रविष्टि एवम् एसडीओ निचलौल को सख़्त चेतावनी

शकुन टाइम्स संवाददाता

महाराजगंज। डीएम अनुनय झा ने कलेक्ट्रेट सभागार में नेडा एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक किया। बैठक में जिलाधिकारी ने पीएम सूर्यघर योजना में 10,000 सोलर पैनल इंस्टॉलेशन लक्ष्य के सापेक्ष अबतक सिर्फ 160 सोलर पैनल लगाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पीओ नेडा को निर्देशित किया प्रति माह एक वेंडर के लिए 200 सोलर पैनल इंस्टॉलेशन का लक्ष्य निर्धारित करते हुए ज्यादा से ज्यादा सोलर पैनल लगवाएं और जो वेंडर शिथिलता बरतते हैं उनके खिलाफ ब्लैक लिस्टिंग की कार्यवाही शुरू करें। विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने ओटीएस पंजीकरण और बिल बकाया के वसूली की जानकारी ली। ओटीएस पंजीकरण कम होने पर एसडीओ निचलौल को चेतावनी निर्गत करने और एसडीओ लक्ष्मीपुर को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने हेतु अधीक्षण अभियंता को निर्देशित किया। उन्होंने सभी अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया कि एकमुश्त समाधान योजना (ओ.टी.एस.) का व्यापक प्रचार प्रसार करायें, ताकि आम जनमानस इस योजना का लाभ उठा सके । प्रत्येक विद्युत डिवीजन में 5 सबसे खराब मीटर रीडर्स को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। उन्होने कहा कि लंबित आवेदनों का निस्तारण जल्द से जल्द करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि कोई भी आवेदन अथवा शिकायत समय सीमा के उपरांत लंबित न रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, अधीक्षण अभियंता वाई.पी. सिंह, पीओ नेडा गोविन्द तिवारी, सभी अधिशासी अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री का पनियरा दौरा आज

पनियरा/महाराजगंज। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी आज पनियरा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उक्त आशय की जानकारी मुजुरी मंडल अध्यक्ष देवेंद्र गिरी ने दी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम को सफल बनाएं।

सार्वजनिक धर्मशाला को तोड़कर बन गई कॉमर्शियल दुकानें, दी गई नोटिस

शकुन टाइम्स संवाददाता

कर्नलगंज, गोंडा। तहसील मुख्यालय स्थित कर्नलगंज कस्बे के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन के सामने हाल ही में सार्वजनिक धर्मशाला को तोड़कर बनाई गई कॉमर्शियल दुकान के संबंध में अवैध अतिक्रमण कर्ताओं को हल्का लेखपाल/सचिव भूमि प्रबंध समिति ने नोटिस जारी करके सात दिवस के अन्दर अपना अवैध अध्यासन स्वयं हटाना छोड़ना सुनिश्चित करने की चेतावनी देकर अन्यथा की स्थिति में किये गए अवैध अतिक्रमण को नियमानुसार बेदखली/क्षतिपूर्ति की कार्यवाही कर बलपूर्वक हटवा दिये जाने को कहा है। मामला कर्नलगंज तहसील व कस्बा क्षेत्र के स्टेशन रोड मोहल्ला सकरौरा नगर से जुड़ा है। यहाँ के हल्का लेखपाल एवं सचिव भूमि प्रबन्धक समिति ने आपराधिक अतिचार, धारा 329 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अवैध निर्माण कर्ताओं सोनू व मोनू पुत्रगण शिवकुमार पुरवार निवासी मोहल्ला सदर बाजार कस्बा कर्नलगंज को जारी की गई नोटिस में कहा है कि सकरौरा नगर परगना ग्वारिच तहसील कर्नलगंज की गाटा सं0 505 रक्बा 0.0342 भूमि ग्राम सकरौरा ग्रामीण पर किये गए अवैध रूप से अतिक्रमण से उक्त ग्राम सभा के रास्ता खाते की भूमि को अपूर्णनीय क्षति हो रही है। क्यों ना आपके अध्यासन को नियमानुसार बेदखली/क्षतिपूर्ति की कार्यवाही की जाय। अत: आपको निर्देशित किया जाता है कि सात दिवस के अन्दर अपना अवैध अध्यासन स्वयं हटाना छोड़ना सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में आपके द्वारा किये गए अवैध अतिक्रमण को नियमानुसार बेदखली/क्षतिपूर्ति की कार्यवाही कर बलपूर्वक हटवा दिया जाएगा,जिसके लिए आप स्वंय उत्तरदायी होंगे। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यदि प्रश्नगत भूमि से सम्बन्धित आपके पास कोई अभिलेख है।

संक्षिप्त सामाचार

क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक आज

पनियरा/महाराजगंज। क्षेत्र पंचायत सदस्यों की समीक्षा बैठक 17 जनवरी दिन शुक्रवार को 2:00 बजे से ब्लॉक सभागार में आयोजित होगा। बैठक में सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। उक्त जानकारी ब्लॉक प्रमुख पनियरा वेद प्रकाश शुक्ला ने दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बैठक में किसी भी सदस्यों के प्रतिनिधियों को भाग लेने की अनुमति नहीं है।

बाईक चोरी की घटना में पुलिस ने तीसरे दिन दर्ज किया मुकदमा

कर्नलगंज, गोण्डा। बीते सोमवार 13 जनवरी को पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए बेखौफ चोर ने सरयू नदी में स्नान करने गए श्रद्धालु की बाइक पर हाथ साफ कर लिया था। घटना के तीन दिन बाद पुलिस ने पीड़ित की बाईक चोरी का मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली में दर्ज मुकदमे में पीड़ित सुखनंदन शर्मा पुत्र नानमून निवासी ग्राम पंचायत गद्दौपुर थाना कोतवाली करनैलगंज,गोण्डा ने बताया है कि 13 जनवरी को करीब 11 बजे दिन में सरयू स्नान हेतु कटरा घाट गया था। जहाँ सरयू पुल के पास बाइक खड़ी करके स्नान करने गया था,उसके ठीक 30 मिनट बाद जब वह वापस आया तो उसकी मोटरसाइकिल नंबर यूपी 43 बीबी 1302 है, जो चोरी हो गई।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट, महिला घायल

बहराइच। शहर के छावनी चौराहा स्थित एक मकान के किचन में गैस सिलेंडर में लीकेज होने से ब्लास्ट हो गया। जिसके चलते मकान का कई हिस्सा धराशाई हो गया। ब्लास्ट की चपेट में आकर महिला झुलसकर घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार शहर के छावनी चौराहे पर बाला जी गुप्ता पुत्र मुरलीधर दोना पत्तल की दुकान का संचालन करते हैं। मकान के नीचले फ्लोर में दुकान और ऊपरी हिस्से में परिवार के लोगों का निवास है। बृहस्पतिवार सुबह छह बजे अज्ञात कारणों से मकान के किचन में रखे सिलेंडर में गैस लीकेज के चलते ब्लास्ट हो गया। बलास्ट होने के चलते आग लग गई। जिसके चलते किचन पूरी तरह से खराब हो गया। जबकि रेलिंग टूट गई है।आग की चपेट में आकर बाला जी गुप्ता की बहू शालू गुप्ता समान निकालने के चक्कर में झुलस गई। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

ई-लाटरी के माध्यम से हुआ लाभार्थियों का चयन

बहराइच । मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय ने बताया कि विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र की अध्यक्षता में नन्दबाबा मिशन अन्तर्गत मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री गो संवर्धन योजना के लाभार्थियों का चयन ई-लाटरी के माध्यम से एनआईसी के सहयोग से किया गया। बैठक के दौरान मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना अन्तर्गत 04 लाभार्थियों का चयन हुआ किया गया तथा प्रतिक्षा सूची हेतु 11 आवेदक चयनित किये गये। इसी प्रकार मुख्यमंत्री गो सर्वधन योजना में 12 महिला व 12 पुरुष लाभार्थी चयनित किये गये तथा प्रतिक्षा सूची हेतु 07 आवेदक चयनित किये गये। सीवीओ डॉ. उपाध्याय ने बताया कि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना में 10 स्वदेशी गाय पालने तथा मुख्यमंत्री गो संवर्धन योजना 02 स्वदेशी गाय पालने की योजना है। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, मुख्य कोषाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, प्रबन्धक डेयरी, एलडीएम सहित लाभार्थी व अन्य उपस्थित रहें।

सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

कार चालक मौके से फरार, पुलिस वाहन की तालाश में जुटी

शकुन टाइम्स संवाददाता

बलरामपुर। जिले में बलरामपुर उतरौला मार्ग पर गोंदीपुर गांव स्थित एक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान हंस आडोल के पानन कुंइया गांव निवासी संदीप 32 और धर्मेंद्र शुक्ला 27 के रूप में हुई है। घटना के बाद पहुंचे परजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर में एक दर्दनाक सड़क हदसा हो गया है। जिसमें दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई है। बताया जाता है कि घटना बीती देर रात हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों सगे भाई अपनी बहन निधि के घर थाना श्रीदत्त गंज क्षेत्र कालिका जोत गांव में सकट पर्व का सामान देकर लौट रहे थे। इसी दौरान गोंदीपुर गांव स्थित उतरौला की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बताते हैं कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कई फूट ऊपर उछल गई। हादसे में दोनों भाइयों को गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर मौत हो गई। बताते हैं कि कर चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया।आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया ।

भीषण ठंड में एमएलए, एमएलसी और एसपी ने जरूरत मंदों को बांटे कंबल

लोगों को गरीबों के मददगार का किया आह्वान

शकुन टाइम्स संवाददाता

श्रावस्ती। तराई में कड़ाके की ठंड जारी है।इस बीच जनपद में अलग-अलग अलग जगहों पर जरूरत मंदों को कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इकौना थाना क्षेत्र अन्तर्गत वृहस्पतिवार को श्रावस्ती भाजपा विधायक पंडित राम फेरन पांडेय ने पौराणिक सीताद्वार परिसर में ठंड से सिकुड़ रहे गरीबों और जरूरत मंदों को कंबल वितरण।जिससे गरीब व असहाय लोगों की ठंड से निजात मिल सके। कम्बल पाकर गरीब व असहाय लोगों के चेहरों पर मुस्कान आयी।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि गरीब और असहाय लोगों की सेवा ही सच्ची सेवा है। इसलिए ठंड व शीतलहर के मद्देनजर निराश्रित एवं असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबलों का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी इकौना ओम प्रकाश, विनय कुमार तिवारी सहित लाभार्थीगण उपस्थित रहे।इसी क्रम में सदस्य विधान परिषद डा0 प्रज्ञा त्रिपाठी ने भी विकास खण्ड हरिहरपुररानी के अन्तर्गत ग्राम पाण्डेय पुरवा में पात्रजनों को कम्बल वितरित किया तथा उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन सदैव लोगों की सहायता के लिए तत्पर है।

और लोगों को ठंड से बचाव हेतु कम्बल मुहैया कराये जा रहे है।इस दौरान अवसर पर उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, उपजिलाधिकारी पीयूष रावत सहित लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने किया सबला ऐप का शुभारम्भ

बनेगा महिलाओं के स्वावलम्बन का आधार

शकुन टाइम्स संवाददाता

बहराइच । कलेक्ट्रेट सभगाार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने आकांक्षी जनपद की महिलाओं के स्वावलम्बन एवं सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से तैयार किये गये सबला लाभार्थी प्रबन्धन प्रणाली ''सबला ऐप'' का शुभारम्भ किया। इसी अवसर पर डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र के साथ ऐप के माध्यम से पंजीकृत लाभार्थियों को प्रशिक्षण हेतु चयन पत्र, टीकाकरण प्रमाण-पत्र, विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकरण इत्यादि से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र का वितरण किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डीएम ने बताया कि ''सबला'' ऐप का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण, वित्तीय स्वतंत्रता तथा उद्यमिता विकास के लिए विभिन्न स्तर पर पाठ्यक्रम के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें कौशल विकास के क्षेत्र में दक्ष बनाना है। सबला ऐप विशेष

रूप से महिलाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई है। यह ऐप इच्छुक महिलाओं को प्रशिक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने, रोज़गार के लिए विभिन्न बैंकों से ऋण प्राप्त करने के साथ-साथ शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कूल/आंगनबाडी केन्द्रों में दाखिला दिलाने के साथ-साथ टीकाकरण की सुविधा भी प्रदान करेगा। एक प्रकार से सबला ऐप निर्बल महिला को सबला बनाने का न सिर्फ मार्ग दिखायेगा बल्कि उनका मार्गदर्शन भी करेगा। डीएम ने बताया कि सबला ऐप की विशेषता होगी कि एक बार आवेदन करने के पश्चात यह आवेदन सबला ऐप पर दर्ज हो जायेगा। जिसकी स्थिति को आवेदनकर्ता महिलाएं स्वयं देख भी सकेंगी। महिला द्वारा किये गये आवेदन में यदि रोज़गार हेतु प्रशिक्षण की मांग की गई तो उक्त आवेदन सीधे आर-सेटी की लॉग इन में उपलब्ध होगा जहां से प्रशिक्षार्थियों का बैच गठित कर सम्बन्धित ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

यदि आवेदनकर्ता ने अपने आवेदन-पत्र में बैंक से लोन (वित्तीय सहायता) के लिए निवेदन किया है तो आवेदन पत्र सम्बन्धित बैंक को भेज कर आवेदनकर्ता को ऋण दिलाये जाने की कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार यदि आवेदनकर्ता महिला द्वारा अपने आवेदन-पत्र में इस बात का उल्लेख किया गया है कि उसके 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ है तो आवेदन सीधे मुख्य चिकित्साधिकारी के लॉग इन में उपलब्ध होगा जहां से उन बच्चों के टीकाकरण की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। आवेदनकर्ता महिला द्वारा यदि इस बात का उल्लेख किया गया है कि उसका 06 वर्ष का बच्चा है और स्कूल में पंजीकरण नहीं है तो आवेदन सीधे बेसिक शिक्षा अधिकारी की लॉग इन में उपलब्ध होगा। जहां से बच्चों का स्कूल में पंजीकरण कराने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। आवेदनकर्ता महिला द्वारा यदि इस बात का उल्लेख किया गया है कि उसका 06 वर्ष से कम आयु का बच्चा है और स्कूल में पंजीकरण नहीं है तो आवेदन सीधे बाल विकास विभाग की लॉग इन में उपलब्ध होगा। जहां से बच्चों का आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीकरण कराने की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। डीएम ने कहा कि सबला प्लेटफार्म महिलाओं के उत्थान एवं प्रेरणा के लिए बनाया गया है। सबला विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया अभिनव मंच है जो विभिन्न कंपनियों से शैक्षिक संसाधन और कई बैंकों से वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसका प्राथमिक लक्ष्य व्यवसाय और व्यक्तिगत विकास का समर्थन करने के लिए उद्योग, प्रासंगिक शिक्षा और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके महिलाओं की आत्मनिर्भरता और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। यह ऐप व्यक्तिगत लक्ष्यों के आधार पर अनुकूलित शिक्षण ट्रैक प्रदान करता है, चाहे व्यवसाय शुरू करना हो, रोजगार प्राप्त करना हो या किसी मौजूदा उद्यम का विस्तार करना हो।

डीएम ने जनता दर्शन में सुनी समस्याएं, दिया निर्देश

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में जनता दर्शन में आमजन की समस्याओं व शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही फोन पर समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी को 19 शिकायतें प्राप्त हुई, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी, इन शिकायतों को तत्काल निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि सम्बन्धित प्रकरणों में तत्काल समुचित कार्रवाई कर समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही कृत कार्रवाई के बाद उन्हें भी अवगत कराना सुनिश्चित करें। निस्तारण के अवधि में लेटलतीफी कदापि न बरती जाए। इसके लिए फरियादियों से समन्वय स्थापित कर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करें।

सम्पादकीय

खाद्य कीमतों में वृद्धि से हाशिए पर पड़े लोगों के लिए पोषण का संकट

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने हाल ही में घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 की तथ्य-पत्रिका जारी की है। यह वार्षिक श्रृंखला की दूसरी सर्वेक्षण रिपोर्ट है जो 2011-12 में सरकार द्वारा जारी किये गये 68वें दौर के उपभोग व्यय सर्वेक्षण के बाद लंबे अंतराल के बाद 2022-23 में शुरू हुई है। सरकार इस बार यह रिपोर्ट जारी करने में सहज प्रतीत होती है क्योंकि ग्रामीण भारत में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) 2022-23 में 3,773 रुपये से बढ़कर 2023-24 में 4,122 रुपये और शहरी भारत में 6,459 रुपये से बढ़कर क्रमशरू 6,996 रुपये हो गया है। इसका अर्थ है कि ग्रामीण और शहरी भारत में उपभोग व्यय में क्रमशरू 9.25 और 8.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर और 9 प्रतिशत से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति दर है। इस महंगाई के समायोजन के बाद घरेलू उपभोग व्यय में नाममात्र की वृद्धि वास्तव में जीवन दशा सुधारने में कोई खास अर्थ नहीं रखती। हालांकि सरकार यह भी दावा करती है कि कुल उपभोग व्यय के गिनी गुणांक द्वारा मापी गयी असमानता ग्रामीण भारत के लिए 2022-23 में 0.226 से गिरकर 2023-24 में 0.237 हो गयी है। यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य का खंडन करता है कि भारत के मामले में आय में असमानता तेजी से बढ़ रही है, जबकि उपभोग व्यय के मामले में असमानता मामूली रूप से कम हुई है। एनएसओ उपभोग व्यय वितरण को 12 भिन्न वर्गों में विभाजित करता है। सबसे निचला वर्ग उपभोग वितरण के सबसे गरीब 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है और सबसे ऊपरी वर्ग भारतीय उपभोक्ताओं के सबसे अमीर 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। वितरण को दो शीर्ष और निचले वर्गों के लिए 5 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है और बाकी को बीच के आठ भिन्न वर्गों के लिए 10 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है। 2023-24 में शीर्ष 5 प्रतिशत में औसत उपभोक्ता एक गरीब व्यक्ति द्वारा औसतन उपभोग किए जाने वाले उपभोग से छह गुना अधिक उपभोग करता है। यह स्पष्ट रूप से आय और धन में असमानता की तुलना में मामूली लगता है क्योंकि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, किसी व्यक्ति की कुल आय में उपभोग व्यय का हिस्सा घटता जाता है। जैसे-जैसे लोग अमीर होते जाते हैं, आय या संपत्ति में वृद्धि की तुलना में उपभोग व्यय धीमी गति से बढ़ता है। दूसरी ओर, बढ़ी हुई आय का बड़ा हिस्सा गरीब लोगों द्वारा उपभोग में खर्च किया जाता है और उपभोग के मामले में असमानता आय या संपत्ति में असमानता की तुलना में बहुत कम होने की उम्मीद है। पिछले दशकों में उपभोग व्यय में एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति यह देखी गयी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में औसत एमपीसीई में खाद्य की हिस्सेदारी में गिरावट आई है।

औसतन उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी ग्रामीण भारत में 2011-12 में 52.9 से घटकर 2023-24 में 47.04 प्रतिशत और शहरी भारत में 42.62 से घटकर 39.68 प्रतिशत हो गयी है। एक तर्क यह हो सकता है कि प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के साथ कुल उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी घटती है और खाद्य समूह के भीतर अनाज की हिस्सेदारी घटती है। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, लोग अपनी आय का बढ़ता हिस्सा गैर-खाद्य पर खर्च करते हैं और खाद्य के भीतर तेल, सब्जियां, अंडा, मछली, मांस और फ्लों पर अधिक खर्च करते हैं जबकि कुल खाद्य व्यय के अनुपात में अनाज की खपत घटती है। यह आहार परिवर्तन श्रम प्रक्रिया में परिवर्तन के कारण भी होता है, क्योंकि शहरी और ग्रामीण दोनों उत्पादन गतिविधियों में, मशीनीकरण बढ़ने के साथ पहले की तुलना में कम शारीरिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। भोजन व्यय के हिस्से के रूप में खाद्य का हिस्सा कम हो सकता है, भले ही खाद्य की वास्तविक खपत निरपेक्ष रूप से बढ़ गयी हो, लेकिन गैर-खाद्य पर व्यय बहुत तेजी से बढ़ सकता है। सबसे गरीब वर्ग के लिए, कुल उपभोग व्यय में खाद्य पर व्यय का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक है, जबकि सबसे अमीर वर्ग के मामले में, यह केवल 20 प्रतिशत के करीब है। दूसरे शब्दों में, अमीर वर्गों के मामले में खाद्य और गैर-खाद्य पर व्यय के बीच का अंतर तेजी से बढ़ता है। हाल ही में जारी की गयी रिपोर्ट में जो बात दिलचस्प लगती है, वह इस लंबी अवधि की प्रवृत्ति का उलट है, यानी कुल उपभोग व्यय में खाद्य का हिस्सा पिछले साल की तुलना में औसतन बढ़ा है। ग्रामीण उपभोक्ताओं के मामले में यह 46.38 से 47.04 प्रतिशत और शहरी उपभोक्ताओं के मामले में 39.17 से 39.68 प्रतिशत तक मामूली रूप से बढ़ा है। इसका मतलब यह नहीं है कि लोग पिछले साल की तुलना में औसतन ज्यादा खाना खा रहे हैं, बल्कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि साल के ज्यादातर समय में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई दर से ज्यादा रही है। उस स्थिति में जब खाद्य पदार्थों की कीमतें अन्य वस्तुओं की तुलना में ज्यादा अनुपात में बढ़ती हैं और चूंकि लोग खाने की खपत में शायद ही कटौती करते हैं, इसलिए कुल खपत व्यय में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी में वृद्धि दर्ज की जाती है। पिछले कुछ सालों में उपभोग व्यय सर्वेक्षणों ने गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत के वितरण में कुछ महत्वपूर्ण रुझानों को भी रेखांकित किया है। पिछले दशकों में शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं पर व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह दो प्रक्रियाओं का संयुक्त प्रभाव हो सकता है। एक है स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता, और दूसरा कारक निश्चित रूप से स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा दोनों का बढ़ता व्यवसायीकरण है।

राहुल का ऐलान, भाजपा परेशान

सर्वमित्रा सुरजन

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक बयान से भाजपा को उन पर और उनके बहाने कांग्रेस पर और कांग्रेस के बहाने देश की उदार, लोकतांत्रिक विरासत पर हमला करने का नया अवसर मिला। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया, राहुल गांधी का संबंध नक्सलियों से जोड़ा और साथ ही कांग्रेस की विचारधारा को घिनौनी तक बता दिया। गौरतलब है कि बुधवार को नयी दिल्ली में 9 ए कोटला मार्ग पर कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन हुआ। अब तक कांग्रेस का मुख्यालय 24 अकबर रोड पर था। 15 साल पहले 2009 में कांग्रेस ने इस नए भवन की आधारशिला रखी थी और 15 जनवरी 2025 में इसका उद्घाटन हुआ। कांग्रेस एक भवन से निकल कर दूसरे भवन में अपने कार्यालय को लेकर गई, लेकिन यह केवल कार्यालय का स्थानांतरण नहीं था, बल्कि कांग्रेस के तौर-तरीकों में स्थानांतरण का संकेत इस उद्घाटन के मौके पर दिया गया। राहुल गांधी का भाषण इसी का प्रमाण था। राहुल गांधी अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत से भाजपा, संघ और संविधान विरोधी तमाम शक्तियों के खिलाफसंघर्ष का ऐलान करते आए हैं। जब यूपीए सत्ता में थी, तब भी और जब एनडीए सत्ता में आई, तब भी राहुल गांधी ने हमेशा देश में हाशिए पर खड़े लोगों के हक में आवाज बुलंद की। जब मोदी शासन में लोकतंत्र और संविधान को धता बताते हुए सांगठनिक तरीके से अल्पसंख्यकों, दलितों, किसानों, मजदूरों, स्त्रियों पर हमले शुरु हुए और नफरत का माहौल बढ़ने लगा, तो राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली और पैदल ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक का सफर तय किया। जब उन्हें लगा कि एक यात्रा काफी नहीं है ।

> **और न्याय की लड़ाई लंबी है, तो दूसरी भारत जोड़ो यात्रा निकाली, इसमें न्याय का परचम लेकर राहुल निकले और इस बार मणिपुर से मुंबई तक का सफर तय किया, कुछ पैदल कुछ वाहन में। इन दोनों यात्राओं के बीच में और अब भी राहुल उन लोगों के बीच कभी भी पहुंच जाते हैं, जिनसे हिंदुस्तान बनता है। इन लोगों में कभी किसान होते हैं, कभी पहलवान, कभी मोची, तो कभी गिग वर्कर्स। ऐसा नहीं है कि जिन लोगों से राहुल मिलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनके साथ खाना खाते या चाय पीते घर-परिवार, व्यापार, पढ़ाई की बातें करते हैं, वे सब कांग्रेस के मतदाता होते हैं। अगर ऐसा होता तो कांग्रेस को इतनी बार, इतने राज्यों में हार का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन फिर भी राहुल आम भारतीयों से मिलते हैं, ताकि भारत के बारे में उनकी समझ और मजबूत हो और इसके साथ ही वे यह टटोल सकें कि क्या वाकई भारत ऐसा है।**

और न्याय की लड़ाई लंबी है, तो दूसरी भारत जोड़ो यात्रा निकाली, इसमें न्याय का परचम लेकर राहुल निकले और इस बार मणिपुर से मुंबई तक का सफर तय किया, कुछ पैदल कुछ वाहन में। इन दोनों यात्राओं के बीच में और अब भी राहुल उन लोगों के बीच कभी भी पहुंच जाते हैं, जिनसे हिंदुस्तान बनता है। इन लोगों में कभी किसान होते हैं, कभी पहलवान, कभी मोची, तो कभी गिग वर्कर्स। ऐसा नहीं है कि जिन लोगों से राहुल मिलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनके साथ खाना खाते या चाय पीते घर-परिवार, व्यापार, पढ़ाई की बातें करते हैं, वे सब कांग्रेस के मतदाता होते हैं। अगर ऐसा होता तो कांग्रेस को इतनी बार, इतने राज्यों में हार का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन फिर भी राहुल आम भारतीयों से मिलते हैं, ताकि भारत के बारे में उनकी समझ और मजबूत हो और इसके साथ ही वे यह टटोल सकें कि क्या वाकई भारत ऐसा है, जिसमें घर में रखे गौ मांस के शक में किसी को पीट-पीट कर मार दिया जाता है, जहां जबरन जय श्री राम के नारे लगवाकर आतंकित करने की कोशिश होती है, जहां दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों का उत्पीड़न जाति और धर्म के आधार पर होता है। दो-दो यात्राओं और लगातार लोगों से मिल कर राहुल ने यह पाया कि आम हिंदुस्तानी नफरत नहीं प्यार से ही रहना चाहता है। उसकी चिंताएं अच्छे रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की है। आजाद भारत का नागरिक हर हाल में अपनी आजादी और उस संविधान को बचाकर रखना चाहता है, जिसके कारण उसे बराबरी का हक मिला, अपनी

मर्जी की सरकार चुनने की आजादी मिली। लोकसभा चुनावों में जब इसी संविधान को खत्म करने की बात भाजपा प्रत्याशियों ने की तो कांग्रेस ने, इंडिया गठबंधन ने इस बात को जनता तक पहुंचाया और नतीजा ये हुआ कि लोकसभा में भाजपा की सीटें कम हो गईं, उसे पूर्ण बहुमत नहीं मिला। इसका मतलब यह कि राहुल गांधी जब नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान लगाने की बात करते हैं तो लोग उसे सुन रहे हैं, समझ रहे हैं। लेकिन संघ प्रमुख मोहन भागवत के विचार आजादी और संविधान को लेकर अलग ही हैं। मोहन भागवत ने कहा है कि जिस दिन राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, उसी दिन भारत को सच्ची आजादी मिली। उन्होंने संविधान को लेकर भी कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक आजादी मिलने के बाद, देश से निकले उस खास नजरिये के दिखाए रास्ते के अनुसार एक लिखित संविधान बनाया गया, लेकिन दस्तावेज के अनुसार नहीं चलाया गया। इस भाषण के बाद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि श्मोहन भागवत ने देश को यह बताने की जुर्रत की है कि वो स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। वास्तव में, उन्होंने जो कहा वह देशद्रोह है क्योंकि उन्होंने कहा कि हमारा संविधान अमान्य है... कोई और देश होता तो अब तक उन्हें गिरफ्तार करके उन पर मुकदमा चला रहा होता। यह कहना कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली, हर भारतीय का अपमान है। और हमें इसे सुनना बंद करना होगा। राहुल गांधी ने जो कहा वो बयान कायदे से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफसे पहले ही आ जाना चाहिए था, कि जो देश की आजादी या संविधान के खिलाफबोलेगा उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। लेकिन न प्रधानमंत्री, न कानून मंत्री ने इस बारे में कोई टिप्पणी की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा का बयान आया, मगर उसमें मोहन भागवत के बयान का कोई जिक्र नहीं था और राहुल गांधी पर देश विरोधी ताकत के साथ खड़े रहने का आरोप लगाया गया। क्योंकि राहुल गांधी ने कहा कि हम केवल भाजपा या संघ से नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था के खिलाफलड़ रहे हैं। अपने भाषण में राहुल ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए कि उसे पारदर्शी क्यों नहीं होना चाहिए। इस भाषण ने सीधे-सीधे भाजपा के मर्म पर चोट की और तिलमिलाए जे पी नड्डा ने अब कहा है कि कांग्रेस का इतिहास उन सभी ताकतों को उत्साहित करने का रहा है जो कमजोर भारत चाहते हैं। सत्ता के लिए उनके लालच का मतलब देश की अखंडता से समझौता और लोगों के विश्वास को धोखा देना था। लेकिन भारत के लोग समझदार हैं। उन्होंने फैसला कर लिया है कि वह राहुल गांधी और उनकी सड़ी हुई विचारधारा को हमेशा ठुकराएंगे। अब कांग्रेस की घिनौनी सच्चाई किसी से छिपी नहीं है, अब उनके अपने नेता ने ही इसका पर्दाफाश कर दिया है। यह कोई रहस्य नहीं है कि गांधी और उनके तंत्र का शहरी नक्सलियों के साथ गहरा संबंध है, जो भारत को अपमानित और बदनाम करना चाहते हैं। उन्होंने जो कुछ भी किया या कहा है वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में है। मोहन भागवत ने हिंदुत्व का झंडा बुलंद करने के लिए आजादी के लिए कुर्बानी देने वालों का अपमान किया तो अब भाजपा अध्यक्ष ने इसमें उनका साथ दिया है।

मोटापा सब पे भारी

आर्थिक विषमताओं के बावजूद देश के लोगों में मोटापे की प्रवृत्ति का बढ़ना एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। इस संकट का विरोधाभासी पक्ष यह है कि अमीर संग गरीब भी मोटापे का शिकार हैं। जिसकी वजह से देश की आबादी के लिये मोटापे के मानकों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है। इस बाबत नवीनतम दिशानिर्देश समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। दरअसल, पारंपरिक बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई नये परिदृश्य में मोटापे को तार्किक रूप से परिभाषित नहीं करता। ये हमारी शरीर में बढ़ी चर्बी को नहीं दर्शाता। यह वजह है कि नये मानक पेट की चर्बी को प्राथमिकता देते हैं। दरअसल, हमारी शरीर की बढ़ी हुई चर्बी ही कालांतर मधुमेह और हृदय रोग जैसे चयापचय संबंधी विकारों को जन्म देती है। जो भारतीयों को असमान रूप से परिभाषित करता है। यही वजह है कि अब बीएमआई को माटापे नापने में अपर्याप्त माना जा रहा है। दरअसल, मोटाप नापने का परंपरागत मानक आनुवंशिक व शारीरिक संरचना के अंतर को नजरअंदाज करता है। जिसके विकल्प के रूप में अब कमर की परिधि और कमर से ऊंचाई के अनुपात को अधिक विश्वसनीय संकेतक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। दरअसल, वर्ष 2019-21 की अवधि के दौरान किए गये राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 23 फीसदी महिलाएं अधिक वजन वाली और चालीस फीसदी मोटे पेट वाली थीं। जबकि 22 फीसदी पुरुष अधिक वजन वाले और 12 प्रतिशत मोटे पेट वाले थे। विरोधाभासी रूप से गरीबों में भी इसका प्रभाव नजर आया है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों के बावजूद लोग कैलोरी सघन व पोषक तत्वों की कमी वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के विकल्प को चुनते हैं। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाले अधिक वजन वाले तो हो जाते हैं मगर रहते कुपोषित ही हैं। दरअसल, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निष्क्रिय जीवनशैली ने भी मोटापे की समस्या को बढ़ाया है। यह संकट उन कम आय वाले समूहों में भी है, जहां स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा की कमी इससे जुड़े जोखिमों को बढ़ा देती है। निर्विवाद रूप से पोषण संबंधी खामियों और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण ही मोटापे की समस्या बढ़ रही है। खासकर शहरी क्षेत्रों में जंक फूड का बढ़ता प्रचलन इस समस्या को बढ़ा रहा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामर्थ्य के अभाव में असंतुलित आहार जैसी चुनौतियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया में बाजार के भ्रामक प्रचार के चलते युवा स्वास्थ्य की बजाय सौंदर्यशास्त्र को प्राथमिकता देते हैं। जिसके लिये वे असुरक्षित आहार या कृत्रिम सप्लीमेंट का सहारा ले रहे हैं। राष्ट्रीय मधुमेह, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन के शोध के निष्कर्ष मोटापे के लिये दो चरणीय वर्गीकरण प्रणाली पेश करते हैं। पहला उपचार पूर्व प्रयास और दूसरा उपचार। इस साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण का उद्देश्य बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को संबोधित करना, संतुलित जीवन शैली को अपनाना और मोटापे की महामारी पर अंकुश लगाना है। निश्चय ही तेजी से बढ़ते गैर संक्रामक रोगों पर अंकुश लगाने के लिये मोटापा दूर करने के गंभीर प्रयासों की जरूरत है। बदलते सामाजिक व आर्थिक परिदृश्य में लोगों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के लिये नीति-नियंताओं, स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले पेशेवरों और जागरूक नागरिकों के सहयोगात्मक प्रयासों की जरूरत है। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम संतुलित भोजन के साथ अपनी शारीरिक सक्रियता को बढाएं। सप्ताह में हमारे व्यायाम, खेल, तैराकी, जिम व योग-प्राणायाम के न्यूनतम घंटे निर्धारित होने चाहिए। निर्विवाद रूप से हमारे खानपान का संयम, गतिशील जीवन और प्रकृति के अनुरूप खानपान चर्बी घटाने में सहायक हो सकता है। यदि हम ऐसा करते हैं तो हमारे शरीर में अनावश्यक चर्बी जमा नहीं होगी और हम मधुमेह, उच्च रक्तचाप व हृदय रोग जैसी चुनौतियों का सामना करने से बच सकते हैं। दरअसल, सिर्फमोटापा ही समस्या नहीं है बल्कि यह रोगों का पूरा कुनबा साथ लेकर चलता है। जिसे हम अनुशासित जीवन शैली और खानपान में सावधानी से ही टाल सकते हैं। अंततरू हम अनुशासित जीवनचर्या व संतुलित आहार से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं।

राहुल का संघ पर नया हमला

> यह सभी जानते हैं परन्तु संघ का हमेशा से कुछ अलग ही विचार रहा है। आजादी की लड़ाई से खुद को दूर रखने वाले संघ ने 26 जनवरी, 1950 को लागू किये गये संविधान को भी यह कहकर स्वीकार नहीं किया था कि श्इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। जाहिर है कि संघ एवं उसके राजनीतिक विंग पूर्ववर्ती जनसंघ और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की पसंद श्मनुस्मृतिश् रही है जो कि गैरबराबरी और वर्ण भेद पर आधारित संहिता है। यह कुनबा आजाद भारत के संवैधानिक प्रतीकों के भी खिलाफरहा है। यही कारण है कि वर्षों तक संघ के नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पर तिरंगा नहीं वरन शाखाओं में फहराया जाने वाला भगवा झंडा ही लगाया जाता था। पिछली लगभग पौन शताब्दी के दौरान विभिन्न मौकों पर संघ के पदाधिकारियों द्वारा या उनके मुखपत्रों में ये विचार तो अभिव्यक्त होते ही रहे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बड़ा हमला बोला है। इस बार उनके निशाने पर सीधे संघप्रमुख मोहन भागवत आये हैं। दरअसल मंगलवार को भागवत ने एक बयान में वह सब कह दिया जो संघ वर्षों से कहता तो आया है लेकिन जब बात सार्वजनिक रूप से कहने या संवैधानिक मंच से स्वीकारने का अवसर आता है तो संगठन या तो मुकर जाता है या अपनी लाइन बदल देता है। 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद हुआ था और स्वतंत्र भारत का नीति-नियामक ग्रंथ भारतीय संविधान है,

यह सभी जानते हैं परन्तु संघ का हमेशा से कुछ अलग ही विचार रहा है। आजादी की लड़ाई से खुद को दूर रखने वाले संघ ने 26 जनवरी, 1950 को लागू किये गये संविधान को भी यह कहकर स्वीकार नहीं किया था कि श्इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। जाहिर है कि संघ एवं उसके राजनीतिक विंग पूर्ववर्ती जनसंघ और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की पसंद श्मनुस्मृतिश् रही है जो कि गैरबराबरी और वर्ण भेद पर आधारित संहिता है। यह कुनबा आजाद भारत के संवैधानिक प्रतीकों के भी खिलाफरहा है। यही कारण है कि वर्षों तक संघ के नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पर तिरंगा नहीं वरन शाखाओं में फहराया जाने वाला भगवा झंडा ही लगाया जाता था। पिछली लगभग पौन शताब्दी के दौरान विभिन्न मौकों पर संघ के पदाधिकारियों द्वारा या उनके मुखपत्रों में ये विचार तो अभिव्यक्त होते ही रहे लेकिन मंगलवार के जिस बयान को लेकर राहुल आक्रामक हुए हैं, उसमें भागवत ने कहा कि भारत ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण दिवस

पर अपनी श्सच्ची आजादीश् हासिल की। भागवत का आशय राममंदिर की प्राणप्रतिष्ठा से था जो कि अयोध्या में पिछले साल हुआ था। तिथि के अनुसार इसकी सालगिरह 11 जनवरी को मनाई गई थी। भागवत ने यह भी कहा कि श्15 अगस्त, 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक आजादी मिलने के बाद, देश से निकले उस खास नजरिये के दिखाए रास्ते के अनुसार एक लिखित संविधान बनाया गया, लेकिन दस्तावेज के अनुसार नहीं चलाया गया। भागवत के इस बयान को राहुल ने राष्ट्रद्रोह करार देते हुए कहा कि संघप्रमुख ने स्वतंत्रता की लड़ाई, संविधान और हर भारतीय का अपमान किया है। राहुल गांधी बुधवार की सुबह कांग्रेस के नयी दिल्ली स्थित नवनिर्मित मुख्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने भागवत को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज जो लोग सत्ता में हैं, वे तिरंगे को सलाम नहीं करते, राष्ट्रीय ध्वज को नहीं मानते, संविधान को नहीं मानते और भारत के बारे में उनका नजरिया हमसे बिलकुल अलग है। भारत को लेकर नजरिये का फर्क बतलाकर राहुल उन बुनियादी कारणों पर चले जाते हैं जिसके कारण कांग्रेस और संघ-भाजपा के बीच लड़ाई की स्पष्ट रेखा खिंचती है। इनमें से बहुत से ऐसे तथ्य हैं जो पिछले 75 वर्षों में कई बार साफतौर पर उभरकर सामने तो आ ही चुके हैं, जिनके चलते कांग्रेस के साथ कई अनेक दल एवं संगठन भी संघ-जनसंघ-भाजपा के खिलाफखड़े होते हैं। ऐसा भी नहीं कि राहुल इस मुद्दे पर पहली बार संघ को घेर रहे हैं पर इस बार सीधे भागवत पर हमला कर उन्होंने दर्शा दिया है कि लगातार तीसरी बार लोकसभा का चुनाव हारने, भाजपा को तीसरी बार सत्ता से दूर रखने में असफल रहने तथा इंडिया गठबन्धन की एकजुटता में आ रहे अवरोधों के बावजूद संघी विचारधारा के खिलाफकांग्रेस की लड़ाई न धीमी पड़ी है और न ही ठंडी। अपनी दोनों भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान राहुल ने विचारधाराओं का जो संघर्ष छेड़ा था, उसमें कांग्रेस न तो कोई ढील देने जा रही है और न ही वह इससे पीछे हटेगी। उसे यह भी पता है कि वह संघ के विरोध की लड़ाई में बिलकुल अकेली है, वैसे ही जिस प्रकार आजादी की लड़ाई उसने अपने बलबूते पर लड़ी थी। इसलिये अपने भाषण में राहुल ने साफकिया कि, इस देश में कोई भी दूसरी पार्टी नहीं जो उन्हें (भाजपा को) रोक सके। उन्हें रोकने वाली एकमात्र पार्टी कांग्रेस है। राहुल का यह कहना उनके संगठन के हौसलों को तो दर्शाता ही है, इसकी तैयारी भी दिखलाता है कि मौका पड़े तो वह अकेली संघ-भाजपा से दो-दो हाथ करेगी। उनके बयान को गठबन्धन के उसके सहयोगियों की ओर संकेत भी माना जाये जो या तो संघ-भाजपा से लड़ने में डरते हैं या जो इंडिया में नेतृत्व परिवर्तन की बातें करने लगे हैं। राहुल कोई पहली बार संघ परिवार पर हमलावर नहीं हुए हैं, तो भी उन्होंने एक तरह से संविधान को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मोहन भागवत के बीच अंतर्विरोध को भी उजागर कर दिया है। कहां तो 2024 के लोकसभा चुनावों में पूरी भाजपा 400 के पार जाने का मंसूबा पाले हुई थी और कहां अब मोदी संविधान की रक्षा की बात करने लगे हैं, क्योंकि पिछली और वर्तमान लोकसभा में उनकी पार्टी के सांसदों की सदस्य संख्या में 63 की कमी आई है। माना जाता है कि भाजपा को यह नुकसान संविधान बदलने के उसके इरादे उजागर होने के चलते हुआ है।

श्री सर्वेश्वरी समूह ने जरूरतमंदों को बांटा कंबल

शकुन टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था श्री सर्वेश्वरी समूह की स्थानीय शाखा द्वारा बुधवार को गरीबों, असहायों तथा अन्य जरुरतमंदों को कम्बल वितरित किया गया।

श्री सर्वेश्वरी समूह के संस्थापक अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम असहायों की सहायता तथा जरुरतमंदों की मदद को ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा मानते थे। वर्तमान पीठाधीश्वर गुरुपद बाबा संभव राम के निर्देश पर वनविहार रोड रामराय पट्टी स्थित शाखा कार्यालय पर आज समूह के पदाधिकारियों ने गरीबों एवं असहायों को कम्बल वितरित किया। ठंड से बचाव के लिए कम्बल पाकर जरुरतमंद काफी खुश नजर आए। इस मौके पर शाखा उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह, मंत्री डॉ अरविन्द सिंह, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सिंह, व्यवस्थापक रमेश सिंह, सतेन्द्र सिंह, विनोद सिंह, नीरज अग्रहरि, प्रमोद जायसवाल आदि मौजूद थे।

चंदौली ने सीवान को दो गोल से हरा, सेमीफाइन में किया प्रवेश

शकुन टाइम्स संवाददाता

धानापुर। अमर वीर इंटर कॉलेज के खेल मैदान में हो रहे अंतर प्रांतीय फुटबॉल प्रतियोगिता में गुरुवार को चंदौली इलेवन ने सीवान बिहार को रोमांचक मैच में दो गोल से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। क्वार्टर फाइनल मैच में मुख्य अतिथि बूढ़ेपुर ग्राम प्रधान समाजसेवी मनोज उपाध्याय रहे। जिन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि खेल से मन और मस्तिष्क का विकास होता है। 45-45 मिनट के खेल में पहले हाफ में सीवान की टीम चंदौली पर लगातार दबाव बना रही थी और कई बार गोल का प्रयास किया लेकिन चंदौली के कीपर गुफरान ने सभी प्रयास विफल कर दिया। दूसरे हाफ के 30वे मिनट में चंदौली के खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास से फैसल ने बेहतरीन गोल कर चंदौली को एक गोल से बढ़त बना दिया। दूसरा गोल 42वे मिनट में चंदौली के अजीत ने किया।

इस तरह चंदौली की टीम दो गोल से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस दौरान मुख्य रूप से शाह आलम खान, मंजूर खान, केदार यादव, विष्णु शर्मा, नईमुल हक खान, मनीष सिंह अमादपुर, अशोक, गोपाल राम अन्य खेल प्रेमी उपस्थित रहें। कमेंट्री आतिफ खान, संचालन इनाम खान, और निर्णायक की भूमिका में राशिद खान, शमशाद खान रहे।

आधा दर्जन चोरी की मोटर साइकिल संग दो शातिर गिरफ्तार

शकुन टाइम्स संवाददाता

गाजीपुर। अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना गहमर पुलिस ने चोरी की आधा दर्जन मोटर साइकिल, एक अवैध तमंचा मय जिन्दा कारतूस के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि चौकी प्रभारी सेवराई उपनिरीक्षक पुष्पेश चन्द्र दुबे मय हमराह ने मुखबिर की सूचना पर भदौरा दिलदारनगर बार्डर स्थित फरीदपुर पुलिया से दो अभियुक्तों सुल्तान अंसारी पुत्र इमामूद्दीन अंसारी निवासी ग्राम उसिया (सतिनरवा मुहल्ला) थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर तथा लालू कुमार पुत्र सुब्बा राम निवासी ग्राम उसिया दक्षिण मुहल्ला हरिजन बस्ती थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी के छह दो पहिया मोटरसाइकिल व एक अवैध तमंचा देशी .315 बोर मय जिन्दा कारतूस बरामद किया। अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के सुपुर्द किया गया।

मौलाना जाफर मसूद हसनी नदवी की इल्मी खिदमात हमेशा याद रखी जाएंगी: नोमान खान

शकुन टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। विश्व प्रसिद्ध इस्लामिक शिक्षण संस्थान दारुल उलूम नदवतुल उलमा के रजिस्ट्रार मौलाना सैयद जाफर मसूद हसनी नदवी की बुधवार को देर शाम एक सड़क हादसे में मौत हो गई,जिसकी वजह से विश्व भर में फैली नदवी बिरादरी और मुसलमानों में शोक की लहर दौड़ पड़ी,इस संबंध में जौनपुर में नदवतुल उलमा के पूर्व कुलपति मौलाना अबुल इरफान खान नदवी के पुत्र सेंट जोसेफ़ ग्रुप ऑफ़ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर नोमान खान ने कहा कि वो एक प्रमुख इस्लामी विद्वान शोधकर्ता और लेखक थे,जिन्होंने इस्लामी अध्ययन और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया,मौलाना जाफर मसूद से हमारे निजी और घरेलू संबंध थे,छात्र जीवन में वह हमारे पिताजी (पूर्व कुलपति) के पास शिक्षा संबंधित सहयोग के लिए आते जाते थे।

उन्होंने कहा कि मौलाना का व्यक्तित्व एक शिक्षक का था उनके भाषणों और लेखनी का मुसलमानों के नैतिक और आध्यात्मिक प्रशिक्षण पर गहरा प्रभाव डालती थीं,

मौलाना ने विभिन्न विचारधाराओं के बीच एकता और सद्भाव पर जोर दिया,मुसलमानों को एक प्लेटफार्म पर लाने और उनमें दूरियों को खत्म करने पर पूरा जोर दिया,मौलाना की इल्मी खिदमात हमेशा याद रखी जाएंगी।

लगा हाइट बैरियर ओवरलोड वाहनों का आवागमन हुआ बंद

शकुन टाइम्स संवाददाता

जमानिया। क्षेत्र को धरम्मरपुर से जोड़ने वाले पक्के पुल पर ओवरलोड वाहनों के आवागमन के कारण पुल की संरचना को नुकसान पहुंच रहा है। इस समस्या के समाधान हेतु पुल पर हाइट बैरियर लगाया गया है, ताकि भारी वाहनों का प्रवेश रोका जा सके और पुल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, पूर्व में लगाए गए हाइटगेज बैरियर को कुछ समय पूर्व हटा दिया गया था, जिससे ओवरलोड ट्रकों का आवागमन पुन: शुरू हो गया था। इससे पुल के एप्रोच मार्ग के पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए थे और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई थी। स्थानीय निवासियों ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी और संबंधित अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग की थी। पुल की सुरक्षा और दीर्घायु सुनिश्चित करने के लिए हाइट बैरियर का पुन: स्थापना आवश्यक है, ताकि ओवरलोड वाहनों का प्रवेश रोका जा सके और पुल की संरचना सुरक्षित रह सके।

पुल की मरम्मत और हाइट बैरियर की पुन: स्थापना के बाद, उम्मीद है कि ओवरलोड वाहनों का आवागमन नियंत्रित होगा और पुल की संरचना सुरक्षित रहेगी, जिससे स्थानीय निवासियों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। इस संबंध में उप जिलाधिकारी अभिषेक कुमार से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है किस विभाग के द्वारा लगाया गया है ।

कीनाराम मठ में नि:शुल्क मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन, चार सौ से अधिक की हुई जांच

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियां (चंदौली)। क्षेत्र के रामगढ़ स्थित बाबा कीनाराम अघोरपीठ मठ रामशाला में गुरुवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन चंदौली के तत्वधान में निशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया। डाक्टरों का मानना है कि इस कड़कड़ाते ठंड में लोगों में अनेकों प्रकार के रोग उत्पन्न होने लगते हैं। पैसे के अभाव में गरीबों को दवा नहीं मिल पाती है, अच्छे से इलाज नहीं हो पाता है। जिससे कुछ लोगों की मौत भी हो जाती है। जनपद के कुछ समाजसेवी डाक्टर रमाशंकर सिंह, डॉ संजय यादव, डॉ शैलेश श्रीवास्तव, डॉ पीएन दुबे, डॉ अश्वनी कुमार, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सुधीर कुमार, डॉ अरुण सिंह, डॉ गौतम त्रिपाठी ने टीम बनाकर सेवा करने का संकल्प लिया है। क्षेत्र से हजारों लोगों का नि:शुल्क चिकित्सा एवं दवा वितरण किया। जनसेवा कैंप में लगभग चार सौ लोगों की मुफ्त जांच की गई। जिनमें साठ मोतियाबिंद के मरीजों की जांच कर दवा दी गई। उनमें से रिपोर्ट के हिसाब से ऑपरेशन किया जाएगा। डाक्टरों ने बीमारियों से बचाव के लिए जरुरी सलाह दी। इसी कड़ी में तीन सौ पच्चीस निर्धन लोगों को मुफ्त में कंबल का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक धनंजय सिंह ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा से बढ़कर कोई बड़ा कर्तव्य या धर्म नहीं है। नर सेवा नारायण सेवा है। उन्होंने कहा कि सबको मिल कर पीड़ित तथा जरूरतमंद लोगों की सेवा करना चाहिए। इस मौके पर मुख्य रूप से सूर्यनाथ सिंह, प्रबंधक धनंजय सिंह, मठ व्यवस्थापक मेजर अशोक सिंह, देवदत्त पाण्डेय, शिवाजी सिंह, संतोष पटेल, कुलदीप वर्मा, फग्गू गुरु, अमृत पाठक, पंकज पांडेय, शीतल गुप्ता, अभिषेक सैनी, दिलीप यादव, रामकृपाल सिंह, सुनील विश्वकर्मा, अशोक कुशवाहा, मुकेश साहनी सहित अन्य क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

पूर्वांचल की आस्था बनी शीतला चौकिया धाम माता का श्रृंगार महोत्सव दिनांक 23, 24, 25 जनवरी को होगा

शकुन टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल की आस्था बनी शीतला चौकियां धाम श्रृंगार महोत्सव दिनांक 23,24,25 जनवरी को होगा और 25 जनवरी को विशाल पूर्ण आहुति होगी जिसमें लाखों भक्त दर्शन करने आते है। प्रात: 5 बजे मंदिर खुलने से रात्रि 9 बजे तक दर्शन पूजन श्रद्धालु कर सकेंगें। श्रृंगार महोत्सव का शुभ उद्घाटन 23 जनवरी को शाम 6 बजे होगा। समस्त कार्यक्रम का आयोजन विनय त्रिपाठी के द्वारा मंदिर में रखें दान पेटियों में से जो पैसा इकट्ठा होगा उसी से किया जाएगा और इसके अलावा जो भी दान करना चाहता है मंदिर में आकर दान पेटी में दान करें जिसमें मंदिर श्रृंगार , सजावट, होगा। महोत्सव में प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह , राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद यादव सहित प्रदेश के कई मंत्री अधिकारी शामिल होंगे। शीतला चौकिया धाम मंहत विनय त्रिपाठी ने बताया कि अच्छे कारीगरों द्वारा दिव्य सजावट किया जाएगा।

श्रृंगार महोत्सव का सारा खर्च मंदिर प्रांगण में लगे दान पेटियो में आए दान में से किया जाएगा जो भी भक्त श्रृंगार महोत्सव में सहयोग स्वेच्छा से करना चाहते हैं मंदिर मे रखे दान पेटी में दान डालकर सहयोग कर सकता है। विदित हो कि कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि श्रृंगार महोत्सव भंडारा आदि के नाम पर कुछ लोग चंदा वसूली करते है जो ग़लत हैं।

ट्रस्ट ने भक्तो से चौकियां धाम मंदिर के नाम पर किसी को भी किसी प्रकार का चंदा नहीं देने की अपील किया है। महंत विनय त्रिपाठी के द्वारा, प्रदेश जिले के सभी चौकियां माई भक्तों से 23, 24 और 25 जनवरी को महोत्सव में भाग लेने का आग्रह किया है। महंत विनय त्रिपाठी ने समस्त मीडिया बंधुओं से श्रृंगार महोत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है।

ठंड लगने से युवक की मौत

चहनियाँ/चंदौली। क्षेत्र के सुरतापुर गांव के पंकज यादव पुत्र स्व चंद्रशेखर यादव 32 वर्ष का ठंड लगने से पेट में दर्द उठा ,घर वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चहनियाँ ले जा रहे थे कि रास्ते में ही युवक की मौत हो गई। प्राथमिक स्वास्थ केंद्र पर चिकित्सको ने जाँच कर मृत घोषित किया परिवारी जन वापस घर लेकर ले आए। युवक की एक बेटी 3 वर्ष की बेटा 6 वर्ष का है। मृतक के पिता की मौत बहुत पहले ही हो चुकी हैं। पत्नि एवं बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है।

सकलडीहा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिएं चुनाव आज, तैयारियां पूरी

- सकलडीहा बार के दो पदों के लिये 1421 अधिवक्ता करेंगे मतदान
- अध्यक्ष और महामंत्री को छोड़ सभी पदों पर निर्विरोध चुना जाना तय

शकुन टाइम्स संवाददाता

सकलडीहा/चंदौली। सकलडीहा बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव शुक्रवार को सुबह दस बजे से अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिएं होगा। जिसे लेकर गुरूवार को चुनाव अधिकारी की ओर से तैयारी पूरी कर लिया गया है। चार बजे तक मतदान होने के बाद देर शाम को चुनाव परिणाम की घोषणा किया जाएंगा। वार्षिक चुनाव में कुल 1421 अधिवक्ता मतदाता मतदान करेंगे। सभी मतदाताओं की मतदान के दौरान परिचय पत्र जरूरी है। मुख्य चुनाव अधिकारी यशवंत सिंह यादव और सहायक चुनाव अधिकारी जनार्दन मिश्र व अरूण कुमार के नेतृत्व में सुबह 10 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू होगा।

चार बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतगणना की प्रक्रिया शुरू होगा। अध्यक्ष पद पर सुरेश कुमार यादव और अशोक कुमार यादव और महामंत्री पद पर जयप्रकाश यादव और रामराज सिंह यादव के बीच सीधी लड़ाई है। वही वरिष्ठ उपाध्यक्ष सहित कोषाध्यक्ष और कनिष्ठ उपाध्यक्ष और कार्यकारिणी में एकल उम्मीदवार होने पर निर्विरोध चुना जाने तय है। अध्यक्ष व महामंत्री पद पर परिणाम आने के बाद सभी पदों की घोषणा चुनाव अधिकारी की ओर से किया जायेगा।

इस मौके पर अजय कुमार सिंह, शिवगोविंद सिंह, मनोज पांडेय, उपेन्द्र नारायण सिंह, राजेश्वर सिंह, विजय प्रताप सिंह, सुभाष सिंह, नितिन तिवारी, पंकज सिंह यादव, अभय मौर्या, शिव कुमार सिंह, श्रीकांत सिंह, जगदीश सिंह, राजकुमार सिंह, अखिलेश यादव, विपिन त्रिपाठी, प्रभुनाथ पाठक,अजय रंजन सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत, एक युवक बुरी तरह घायल

बक्शा /जौनपुर। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ हाइवे पर तेज रफ़्तार बस की चपेट में आने से दो युवक की मौत एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस व स्थानीय लोग के सहयोग से तीनो को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया गया। जहां दो युवक की मौत हो गई एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।बाइक सवार तीनो युवक कुल्हनामऊ हाइवे पर स्थित हरिहर सिंह पब्लिक स्कूल के सामने पहुंचे ही थे कि वाराणसी के तरफ़ जा रही तेज़ रफ़्तार बस यूपी43 टी7228 ने बाइक यूपी 72 बी आर 1511 में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बस में फस गई और बाइक पर सवार तीनो युवकों में रिषभ उपाध्याय पुत्र स्व. अशोक उपाध्याय उम्र 25 वर्ष और अनुराग उपाध्याय पुत्र रामअनुज उम्र 28 वर्ष दो युवक की मौत हो गई एक युवक बुरी तरह घायल हो गए

बलुआ में मां काली मंदिर से चोरों ने जेवरात चुराये

बलुआ थाने से महज 100 मीटर और पिकेट से 25 मीटर की दूरी पर चोरों ने चोरी की घटना का दिया अंजाम

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियाँ/चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार के थाने से महज सौ मीटर और वाराणसी जाने वाले पुल के पास बने पिकेट से पचीस मीटर की दूरी पर मां काली मंदिर से लगभग डेढ़ लाख रुपये के गहनों पर हांथ साफ कर दिया। बाजार के अनिल चौरसिया ने बलुआ थाने में तहरीर दिया। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल किया । बलुआ बाजार में थाने से महज सौ मीटर की दूरी पर मुख्य मार्ग पर मां काली का मंदिर है। वही पास में मंदिर से पचीस मीटर की दूरी पर बलुआ पक्का पुल पर जाने के लिए तिराहे पर पिकेट भी ह। बीती रात चोरों ने मंदिर में घुसकर माता के कमरे का ताला तोड़ दिया। वही नीचे भुनासी होने के कारण दरवाजा खोलने में असफल हो गये तो मंदिर के छत पर चढ़कर रोशन दान को तोड़कर मंदिर के अंदर प्रवेश कर सोने की नथिया और दो मंगलसूत्र चुरा लिए। मुकुट भी निकालने का प्रयास किया ।लेकिन सफल नही हो पाये। सुबह लोग जब दर्शन पूजन करने गये तो गहने गायब देख सन्न रह गये ।सबसे बड़ी बिडंबना यह है कि थाना और पिकेट के बीच मे मुख्य मार्ग पर मंदिर से चोरी की घटना को लेकर लोगो में आक्रोश व्याप्त है । बलुआ थाना क्षेत्र में अब तक दर्जनों चोरियां हो चुकी लेकिन बलुआ पुलिस ने अभी तक एक भी चोरियों का राजफाश करने में असफल रही। लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्र के जनता में आक्रोश व्याप्त है।

किन्नर ड्राइवर हत्याकांड का पर्दाफाश साज़िशकर्ता समेत चार गिरफ्तार

शकुन टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। किन्नर के ड्राइवर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हत्याकांड में शामिल शूटर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं , उनके पास से हत्या में प्रयोग की गई पिस्टल , कारतूस और बाइक बरामद हुआ है। इस सनसनीखेज वारदात के पीछे मृतक सोनी किन्नर के प्रापर्टी और हिस्सेदारी सामने आया है।

बीते दो जनवरी की शाम करीब साढ़े छह बजे लाइनबाज़ार थाना क्षेत्र के राशिदाबाद मोहल्ले में गोपाल शर्मा उर्फ गोपाल विश्वकर्मा की अज्ञात बदमाशों ने गोलियों बरसाकर मौत के घाट उतार दिया था । इस सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलते ही एसपी डॉ. कौस्तुभ समेत भारी पुलिस फोर्स मौके पहुँचक जांच शुरू की तथा सीसीटीवी फुटेज खंगाला। एसपी ने हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित किया था। एसपी डॉ0 कौस्तुभ ने गुरुवार को पुलिस लाइन में स्थित मनोरंजन कक्ष में पत्रकारों के सामने इस ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का राजफास करते हुए बताया कि किन्नरों की आय की हिस्सेदारी के चलते दूसरे किन्नर के साथ रहने वाले बृजलाल प्रजापति उर्फ अंशु प्रजापति निवासी नगहटी थाना सरायख्वाजा ने पिछले डेढ़ वर्ष से हत्या की साज़िश रच रहा था उसने विनोद कुमार बिन्द उर्फ विक्की पुत्र श्यामलाल बिन्द निवासी फूलपुर थाना लाइन बाजार जौनपुर 2. प्रदीप बिन्द पुत्र सोमारू बिन्द निवासी चिकसावा थाना बरदह जनपद आजमगढ 3. अकिंत कनौजिया पुत्र दशरथ कनौजिया निवासी इमामपुर थाना खुटहन को 8 लाख रुपये की सुपरी देना तय करके हत्या करवाया था। इस वारदात के पर्दाफाश के लिए लगाई गई टीम ने साजिशकर्ता समेत तीनों हत्यारों को रामघाट के पास से गिरफ्तार कर लिया। अब असलहा बेचने, छिपाने और हत्यारोपियों को शरण देने वालो की पुलिस तलास किया जा रहा है। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 02 पिस्टल, 05 जिन्दा कारतुस, 01 मोटरसाइकिल सुपर स्पलेण्डर काला रंग बिना नम्बर, 2700 रुपये नगद व घटना के बाद जलाये गये कपडो के अवशेष को बरामद किया गया। तथा गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त मे धारा 3(5)/238 बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी की गयी।

जिला पर्यावरण/वृक्षारोपण समिति और जिला गंगा समिति की बैठक

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गुरुवार को जिला पर्यावरण/वृक्षारोपण समिति और जिला गंगा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिलाधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा की अनुमति द्वारा मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आयोजित की गई।

जिसमें जनपद के समस्त विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक के अंतर्गत वर्ष 2025-2026 में वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समस्त विभागो को लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। आवंटित लक्ष्यों के सापेक्ष भूमि चिन्हांकन कर सूचना उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2023-24 एवं 2024- 25 में कराए गए वृक्षारोपण का भौतिक सत्यापन कर सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देशित किया गया।

जिला पर्यावरण समिति के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद स्थित पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु जनपद में ग्रेप - 4 की स्थिति लागू होने की स्थिति में दिए गए नियमों को पालन करने हेतु एवं प्रभावित कार्यवाही को निर्देशित किया गया। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह जनपद स्थित कूड़े कचरे का निस्तारण नियमानुसार करें तथा उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जनपद में जितने भी तालाब हैं उनका पुनरुद्धार किया जाए तथा आगामी वृक्षारोपण कार्यक्रम में उन स्थलों को भी चयन स्थलों के रूप में शामिल किया जाए। जनपद स्थित जिला गंगा समिति के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त जिला गंगा समिति के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह हापुड़ में जनपद में गंगा ग्राम की स्थिति को और मजबूत बनाने हेतु गंगा ग्राम में गंगा प्रहरियों की नियुक्ति की जाए और साथ ही गंगा ग्राम में नियमित रूप से गंगा आरती का आयोजन किया जाने को कहा।

बैठक में अधिकारी प्रमोद कुमार उप चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार, जिला पंचायती राज अधिकारी शिव बिहारी शुक्ला, अधिकारी योगेंद्र कुमार, जनपद के समस्त अधिशासी अधिकारी एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

केन्द्र को परिषद का धन्यवाद, राज्य सरकार से आग्रह

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। केन्द्र सरकार द्वारा लम्बे समय से केन्द्र एवं राज्य कर्मचारी संगठनों द्वारा की जा रही मांग पर आठवें वेतन आयोग की घोषणा पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष इं. हरिकिषोर तिवारी, कार्यवाहक अध्यक्ष एन डी द्विवेदी और महामंत्री षिवबरन सिंह यादव ने प्रदेष के कर्मचारी षिक्षको की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया है। परिषद नेताओं ने राज्य सरकार ने आग्रह किया है कि केंद्र में लागू हो जाने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार भी पूर्व की भांति उत्तर प्रदेश में भी आति शीघ्र लागू कर देगी जिससे प्रदेश के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। नेता द्वय ने बताया कि केंद्र सरकार ने आज अपनी कैबिनेट में केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग की घोषणा कर दी है। पिछली बार इसका गठन 10 वर्ष पहले 2014 में हुआ था। इसका समाप्ति 31 दिसंबर 2025 को हो रही है अर्थात एक जनवरी 2026 से आठवां वेतन आयोग की सिफारिश हैं लागू होने का प्रावधान है। लेकिन बीच में ऐसा लगता था कि केंद्र सरकार संसद में भी बयान देती थी कि अभी कोई विचार नहीं है। परंतु कामरेड शिवगोपाल मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष महासचिव एनजेसीए और प्रदेश के संगठनों द्वारा समय समय पर आठवें वेतन आयोग की मांग बराबर की जाती रही है। हालियाँ 11 जनवरी 25 को लखनऊ में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा आयोजित खिचड़ी भोज के कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश के सभी संगठनों द्वारा आठवे वेतन आयोग गठन की मांग को जोरदारी से उठाते हुए एक नोटिस देकर एक दिन का आंदोलन कार्यक्रम तय करने की बात शिवगोपाल मिश्रा ने तय की थी। राज्य कर्मचारी संघ परिषद के प्रतिपादक अध्यक्ष हरीकिशोर तिवारी एवं महामंत्री शिव बरन सिंह यादव,कार्यवाहक अध्यक्ष एन डी द्विवेदी, अपर महामंत्री डॉ नरेश ने उत्तर प्रदेश के समस्त लाखों कर्मचारियों की ओर से इसका स्वागत किया है।

संक्षिप्त सामाचार

राजधानी में कड़ाके की ठंढ, तेज हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कड़ाके की ठंढ पड़ रही है। गुरुवार को शहर का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले पांच दिनों से बढ़ती ठंड और तेज हवाओं ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। शहर में सुबह से ही धुंध छाई रही। गलियों और चौराहों पर लोग अलाव तापते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार ठंढ का असर अगले 7 दिनों तक बना रहेगा। उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारत में ठंडी हवाओं का जोर बढ़ा है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी के बाद उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों तक सर्द हवाएं पहुंच रही हैं। हवा की गति 7 से 11 किमी प्रति घंटा रहने के कारण लखनऊ में ठंड बढ़ी है। इसके अलावा, वातावरण में नमी अधिक होने से कोहरे की मोटी परत बनी हुई है।

मिशिका को हिन्दी ओलंपियाड में स्वर्ण

लखनऊ। एक्सीलिया स्कूल के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि विद्यालय के बच्चे दिन- प्रतिदिन नई बुलंदियों को छू रहे हैं स हाल ही में हिन्दी विकास संस्थान दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी ओलंपियाड में कक्षा 3-ए की छात्रा मिशिका गुप्ता ने स्वर्ण पदक जीता है। सम्मान समारोह 30 जनवरी 2025 को तीन मूर्ति भवन, प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मिशिका को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। मिशिका की उपलब्धि पर एक्सीलिया स्कूल प्रबंधन और स्टाफने मिशिका को बधाई देते हुए उसके सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

डॉक्टर के घर लगी आग, काढ़ा बनाते वक्त सिलेंडर लीक होने से हुआ हादसा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कैसरबाग निवासी आयुर्वेद के डॉक्टर नरेंद्र कुमार गुप्ता के घर गुरुवार सुबह आठ बजे के करीब किचन में आग लग गई। आग सिलेंडर लीक होने के चलते लगी थी। उन्होंने सिलेंडर में आग लगते ही दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पाया। आग से किचन का सामान जल गया। लालबाग खंडारी बाजार निवासी डॉ. नरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि वह गुरुवार सुबह पिता बीएल गुप्ता (94) के लिए काढ़ा बनवा रहे थे। पत्नी सोनिका ने सिलेंडर में आग लगते की शोर मचाया। जिसके बाद पुलिस और दमकल को सूचना दी गई। दमकल की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। किचन में सिलेंडर में आग लगने के चलते सभी लोग ब्लास्ट होने के डर से बाहर आ गए, क्योंकि वहां पर एक और सिलेंडर रखा था। आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। फायर ब्रिगेड के लोगों ने समय रहते आग पर काबू पाकर बड़ा हादसा होने से रोक लिया। यदि ब्लास्ट हो जाता तो बड़ा नुकसान होता।

मानसिक अस्पताल में युवती से छेड़छाड़, टॉयलेट में सफाईकर्मी ने दबोचा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के वजीरगंज इलाके में मानसिक अस्पताल के सफाईकर्मी ने युवती से छेड़छाड़ की। सफाईकर्मी के चंगुल से छूटकर युवती थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आलमबाग की रहने वाली 19 साल की युवती का वजीरगंज इलाके में स्थित मानसिक अस्पताल से हाई डिप्रेशन का इलाज चल रहा है।

मां और 6 साल की बच्ची की गला रेतकर हत्या

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद इलाके में महिला और उसकी बेटी (6) की गला रेतकर हत्या कर दी गई। दोनों का शव गुरुवार दोपहर घर में खून से लथपथ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

पुलिस का कहना है कि मर्डर बुधवार रात में किया गया है। महिला का एक बेटा और बड़ी बेटी अपने नाना के घर पर थे। सुबह फोन करने पर जब कोई जवाब नहीं मिला तो नाना के साथ दोनों बच्चे अपने घर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद था। एक लड़की दूसरी ओर से घर के अंदर गई और दरवाजा खोला। अंदर का दृश्य देख सभी सन्न रह गए। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया, ईसापुर गांव में रहने वाली गीता (24) और उनकी बेटी दीपिका (6) की अज्ञात बदमाशों ने गला रेत कर हत्या कर दी। महिला का पति प्रकाश कन्नौजिया मुंबई में लांड्री का काम करता है।

प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी रंजिश का लग रहा है। घटनास्थल से सबूत जुटाए गए हैं। फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम मामले की जांच कर रही है। हत्यारों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। हमलावर घर के पीछे से दाखिल हुए और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए।

अग्निवीर भर्ती का 7वां दिन, बाराबंकी-चित्रकूट के अभ्यर्थी पहुंचे

लखनऊ। लखनऊ की सैन्य छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) स्टेडियम में अग्निवीर रैली भर्ती का आज 7वां दिन है। गुरुवार को भर्ती रैली में बाराबंकी और चित्रकूट जिले के अभ्यर्थी शामिल हुए। इससे पहले बुधवार को औरैया और बांदा जिले के अभ्यर्थी पहुंचे थे। ये भर्ती 10 जनवरी से शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगी। इसमें 13 जिलों के करीब 10 हजार युवा शामिल होंगे। भर्तियां कुल 4 ट्रेड्स में हो रही हैं। इनमें अग्निवीर जीडी, टेक्निकल, कार्यालय सहायक और ट्रेड्समैन है। युवाओं को स्टेडियम में तड़के 2 बजे से 5 बजे तक प्रवेश दिया गया है। यह वो अभ्यर्थी हैं, जो पहले ही अग्निवीर लिखित परीक्षा पास कर चुके हैं। गुरुवार सुबह तड़के 2 बजे से अभ्यर्थियों की एंट्री शुरू हुई और 5 बजे तक अभ्यर्थियों को एंट्री दी गई। इस बीच घना कोहरा रहा। एडमिट कार्ड और आधार चेक करके सभी को एंट्री मिली।

पहले सर्दी और धुंध भरा कोहरा तो फिर रात्रि में हुई बरसात ? तो चढ़ा सर्दी का थर्मोमीटर

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनवरी माह का महीना चल रहा है तो सर्दी भी लगातार अपना विकराल रूप धारण कर रही है, पहले सर्दी धुंध और घने कोहर तेज हवाओं के साथ कंप कंपाने वाली सर्दी तो रात्रि में फिर हुई बरसात, तो चढ़ गया थर्मामीटर सर्दी का ऊपर, जहां पर देखा गया कि सुबह-सुबह किसान भाइयों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मवेशियों के लिए चार करना है तो मनवेशियों का चारा छीलना भी जरूरी है।

अब अगर बात की जाए विद्यालयों की तो पहले मौसम ने काफी सर्दी का एहसास कराया तो हापुड़ जिला अधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा ने बच्चों के विद्यालय से छुट्टी कर दी पहली से लेकर आठवीं तक, 15 तारीख में विद्यालय खुले तो पूरे दिन आसमान के अंदर घनघोर कोहरा अपना विकास रूप दिखाता रहा, हापुड़ जिलाधिकारी ने फिर कर दी बच्चों की छुट्टियां पहली से लेकर आठवीं तक के बच्चों की, छुट्टियों का नाम सुनते ही बच्चों के चेहरे पर खिले खुशी के फूल, बता दें कि इस मौसम से छोटे बच्चे और बुजुर्गों को काफी परेशानी आ रही है जिनके लिए इस समय घर में गर्म और ऊनी कपड़े तथा घर में अलाव के द्वारा उन्हें ताप कराई जा रही है।

अब अगर फसलों की बात की जाए तो इस बरसात से कुछ फसलों को लाभ है, क्योंकि कुछ फासले सिंचाई की तरफ चल रही थी मगर कुदरत ने रात्रि में हल्की बरसात कर किसानों के चेहरे खुश कर दिए तो सर्दी को देखकर किसानों के चेहरे बदले हुए भी नजर आए, लगे आम जनमानस सूर्य

देव के दर्शनों की चिंता करने आखिर कब होंगे, बता दें कि जो सूर्य देव की किरणें सर्दी के मौसम में आमजन मानस को लाभ देती हैं और कोई भी सामग्री ऐसी नहीं जो आम जनमानस को इतना सर्दी से राहत दे, सुबह घर परिसर में बुजुर्गों महिला अपने बच्चों के साथ अलाउ जलाकर ताप लेते हुए।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा की गई ग्राम विकास कार्यों की समीक्षा

- शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं में पात्र लाभार्थियों को मिले लाभ- सीडीओ
- जनपद के प्रत्येक किसान की कराई जाए फॉर्म रजिस्ट्री- हिमांशु गौतम

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ग्राम विकास, पंचायती राज विभाग, पशुपालन, सोशल सेक्टर एवं कौशल विकास विभाग में संचालित योजनाओं के सफल कियान्वयन हेतु बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने पंचायती राज विभाग, ग्राम विकास, पशुपालन विभाग, सोशल सेक्टर, एक परिवार एक पहचान, जीरो पार्टी एवं कौशल विकास से संबंधित समस्त योजनाओं की जानकारी संबंधी अधिकारियों से प्राप्त की।उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं उसमें पात्र लाभार्थियों को लाभ अवश्य प्राप्त हो। मुख्य विकास अधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जांच करने के निर्देश दिए उन्होंने कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के प्रत्येक किसान का फार्म रजिस्ट्री अवश्य होना चाहिए यदि फॉर्म रजिस्ट्री करने में किसी को कोई भी समस्या उत्पन्न होती है तो वह उपनिदेशक कृषि / कृषि कार्यालय में पहुंचकर अपना फॉर्म रजिस्ट्री करा सकते हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए की फार्म रजिस्ट्री के संबंध में जो भी समस्या प्राप्त होती है उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें इसके उपरांत उन्होंने एक परिवार एक पहचान के तहत जनपद के सभी लोगों का पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें साथ ही जनपद के समस्त कार्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों का भी डाटा फैमिली आईडी पर अपलोड कराया जाए। बैठक में पशुपालन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि गौशालाओं को लेकर जो भी समस्याएं आ रही हैं उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। बैठक में जनपद स्तरीय समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

शालोम ट्रस्ट को मिला प्रशासन का पूरा सहयोग सो दिवसीय सघन टीबी अभियान में टीबी हारेगा भारत जीतेगा: शालोम ट्रस्ट

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाया गया जनपद में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान समाज में जागरूकता फैलाने के लिए, जहां पर शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष अजीत सिंह, उपाध्यक्ष भारती सिंह,संयोजक कपिल कुमार, मदन ओम राय समाजसेवी व ? मोनू कुमार लगातार 100 दिवसीय सघन टीबी जागरूक अभियान को लेकर आगे बढ़ते हुए जहां पर शासन और प्रशासन का मिलता पूरा सहयोग, बता दें कि हापुड़ विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, हापुड़ जिला अस्पताल से डॉक्टर श्रीमती हेमलता,हापुड़ सदर एसडीएम अंकित कुमार, सीओ सिटी हापुड़ जितेंद्र शर्मा, थाना हाफिजपुर ? तथा थाना बाबूगढ़ पुलिस सभी ने मिलकर 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान को आगे बढ़ते हुए, तो वही शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि जनपद से शासन और प्रशासन एवं अन्य विभागों का 100 दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान में पूरा सहयोग मिल रहा है लगातार अभियान आगे बढ़ता हुआ, ट्रस्ट अध्यक्ष ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य है कि आमजन मानस को क्षय रोग के बारे में जागरूक करना और उन्हें इसके प्रति सावधानी बरतने के लिए प्रेरित करना, तो वही ट्रस्ट संयोजक कपिल कुमार ने बताया कि ट्रस्ट को लगातार टीबी मुक्त भारत अभियान में जनपद से पूरा सहयोग मिल रहा है और लगातार अभियान आगे बढ़ रहा है, 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान भारत की टीबी मुक्त राष्ट्र की ओर यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है,हमारी ट्रस्ट देश के मान्य प्रधानमंत्री जी के सपने के साथ है।

वी मार्ट पर 35,000 का जुर्माना, 18 रुपए में दिया था कैरी बैग

लखनऊ। लखनऊ में कैरी बैग के लिए ग्राहकों से जबरन पैसे वसूलने का मामला वी मार्ट को भारी पड़ गया। एक ग्राहक द्वारा दायर मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने ट मार्ट को 18 रुपए के साथ 35,000 रुपए का जुर्माना ग्राहक को देने का आदेश दिया है।

परिवादी के वकील शशिकांत शुक्ला ने बताया कि ग्राहक ने वी मार्ट से खरीदारी के दौरान कैरी बैग मांगा, जिसके लिए उससे 18 रुपए वसूले गए। ग्राहक ने इसे अनुचित मानते हुए कंज्यूमर कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई। कंज्यूमर कोर्ट ने ग्राहक के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि कैरी बैग का शुल्क ग्राहकों पर जबरन नहीं थोपा जा सकता। कोर्ट ने वी मार्ट को 18 रुपए लौटाने के साथ ही 35,000 रुपए का जुर्माना भरने का आदेश दिया। इसमें मानसिक और आर्थिक क्षति के लिए मुआवजा और अदालती खर्च

2 फरवरी से होगा तीन बसंत पंचमी का कार्यक्रम हुई तैयारी शुरू बसंत पंचमी के कार्यक्रम की

नहीं लगेंगे इस वर्ष भी बसंत पंचमी के तीन दिवसीय मेले पर बड़े झूले,महंत जी

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना सिंभावली के गांव लिसड़ी में समाधि बाबा श्री दरगाई सहाब पर लगता है तीन दिवसीय बसंत कार्यक्रम का मेला, जहां पर मंदिर के महंत स्वामी श्री देवेश्वरानन्द जी महाराज ने बताया कि समाधि बाबा श्री दरगाह ही सहाब के सभी सेवक लगे बसंत पंचमी की तैयारी में, उन्होंने बताया कि यहां पर अब से करीब 300 वर्ष पूर्व हमारे संत हुए हैं इनका पहला नाम था दुर्गादास फिर धीरे-धीरे उन्हें बाबा श्री दरगाई सहाब कहने लगे, श्री दरगाई सहाब यहां पर रहने लगे भजन करते थे तो जब उनका अंत समय आया आखिरी समय आया तो उन्होंने अपने सेवक बुलाए और इस मंदिर के अंदर प्रवेश किया उसके बाद फिर बाहर नहीं आए तो अंदाज से हमारे महापुरूषों ने यहां पर उनकी समाधि बनाई तो इसको चेतन समाधि कहते हैं यह महाराज जी कभी भी प्रकट हो सकते हैं मंदिर में बड़े और बाहर नहीं आए उसी दिन को हम उनकी समाधि मानते हैं और उसी दिन फिर माथा टेकना लोग आते हैं श्रद्धालु आते हैं यहां मत्था टेकते हैं आशीर्वाद लेते हैं गुरु महाराज से और अपनी मनोकामना पूरी जिनकी होती है वह भी आते हैं जिनको कुछ चाहिए वह भी आते हैं यहां पर बच्चों का मुंडन भी किया जाता है तथा यहां नई शादियों के जोड़े भी जाकर माथा टेकते हैं यहां का

जो मुख्य प्रसाद है कड़ा प्रसाद एवं गुड़ की भैली, उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर बताया कि पुलिस बल भी यहां पर अपनी ड्यूटी निभाते हैं तथा तीन दिन के कार्यक्रम के अंदर पुलिस बल पूरा सहयोग करता है, नहीं लगेंगे इस वर्ष भी बड़े झूले होती है काफी परेशानी बड़े झूलों से।

कामता सेवा संस्थान द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को युवा दिवस के रूप मे मनाया

शकुन टाइम्स संवाददाता

कानपुर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कामता सेवा संस्थान द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को युवा दिवस के रूप में सिविल लाइंस स्थित रागेंद्र स्वरूप ऑडिटोरियम में अयोजित किया गया। सर्वप्रथम समारोह का शुभारंभ पंडित अरविंद त्रिपाठी व निशांत तिवारी द्वारा स्वस्ति वाचन के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथि जनों ने समवेत रूप से स्वामी विवेकानंद के तैल चित्र पर माल्यार्पण भी किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी व वर्तमान सूचना आयुक्त राजकुमार विश्वकर्मा ने कहा कि ब्रह्मांड की वसुंधरा पर सनातन धर्म के ध्वज वाहक स्वामी विवेकानंद युग युगांतर तक हिंदू जनमानस के बीच पथ प्रदर्शन के रूप में याद किए जाते रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता शिक्षाविद व संस्थान के संरक्षक डॉ नरेंद्र द्विवेदी ने की। संस्थान द्वारा इस 17 वें आयोजन के विशिष्ट अतिथि वाराणसी केंद्रीय पूजा समिति के अध्यक्ष व दो बार के राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता पर्यावरणविद् तिलक राज मिश्रा ने पर्यावरण के रक्षार्थ समाज से संगठित होकर कार्य करने हेतु प्रबुद्ध जनों का आवाहन किया। विशिष्ट अतिथियों की श्रृंखला में राष्ट्र की सीमा पर जान की बाजी लगाकर शत्रुओं के दांत खट्टे करने वाले कर्नल (रिटा.)उत्कर्ष सिंह राठौर ने स्वामी जी को राष्ट्र की रक्षा हेतु सर्वस्व अर्पित करने वालों का प्रेरणाश्रोत बताया। युवा दिवस के विशिष्ट अतिथि वर्ष 1971 के बांग्लादेश युद्ध के महानायक कर्नल (रिटा.)तेज सिंह टिक्कू ने स्वामी जी को भोगवाद से सराबोर और पाश्चात्य सभ्यता के अनुयायियों को सनातन व संस्कारों की महत्ता से अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अवध बिहारी मिश्रा ने अपना व्याख्यान रखा। संस्थान के संस्थापक अनूप त्रिपाठी ने स्वामी जी को एक निष्काम योगी व सनातन संस्कृति के पथ प्रदर्शक के रूप में याद करते हुए उपस्थित सभी गणमान्य जनों से आवाहन किया कि पर्यावरण के संरक्षण हेतु प्लास्टिक से निर्मित उत्पादों में खाने योग्य सामान रखने की बजाय तश्तरी व ग्लास अपने साथ लेकर चले जिससे नालियों और नदियों में जाने वाली पालीथीन व प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण से मुक्ति मिले। संस्थान की महामंत्री मंजू त्रिपाठी ने मां काली की विशेष कृपा पात्र गुरु रामकृष्ण परमहंस के अनन्य शिष्य स्वामी जी को सनातन धर्म को ऊर्जा प्रदान करने वाले प्रकाश पुंज के रूप में याद किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के प्रांतीय अध्यक्ष ओम नारायण त्रिपाठी के द्वारा किया गया। अंत में संस्था के संस्थापक अनूप त्रिपाठी ने बताया कि संस्थान प्रदेश व जनपद स्तर पर सनातन धर्म के प्रसार हेतु दीर्घकाल से कार्यरत है।

साउथ अफ्रीका को लगा बड़ा झटका

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले चोटिल होकर बाहर हुआ ये धाकड़ खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। एनरिक नॉर्टजे ने जून 2024 में टी20 वर्ल्ड कप के बाद से कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। वह पाकिस्तान के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज में वापसी करने वाले थे, लेकिन नेट्स में उनके पैर की अंगुली टूट गई। तब से वह अपनी स्20 फेंजाइजी, प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए बिल्कुल भी नहीं खेले हैं और दक्षिण अफ्रीका के मार्की टी20 टूर्नामेंट से भी बाहर हो गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले दक्षिण अफ्रीका को तगड़ा झटका लगा है। नॉर्टजे ने जून 2024 में टी20 वर्ल्ड कप के बाद से कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। वह पाकिस्तान के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज में वापसी करने वाले थे, लेकिन नेट्स में उनके पैर की अंगुली टूट गई। तब से वह अपनी स्20 फेंजाइजी, प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए बिल्कुल भी नहीं खेले हैं और दक्षिण अफ्रीका के मार्की टी20 टूर्नामेंट से भी बाहर हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा करेगा। वहीं एनरिक नॉर्टजे की जगह गेराल्ड कोएत्जी ले सकते हैं। वह पिछले नवंबर में श्रीलंका के खिलाफ डरबन टेस्ट में कमर की चोट लगने के बाद जोबर्ग सुपर किंग्स के लिए एक्शन में लौटे हैं। दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट बॉल कोच रॉब वाल्टर ने बताया कि नॉर्टजे और कोएत्जी के बीच चयन को लेकर मुकाबला था और उन्होंने कोएत्जी के बजाय नॉर्टजे के अनुभव को चुना। उन्होंने ये भी संके दिए की उन्हें नॉर्टजे के फिट घोषित होने का पूरा भरोसा है। वाल्टर ने आगे कहा कि, एनरिक नॉर्टडे बेहतरीन गेंदबाज हैं। वह अपना और अपनी कंडीशनिंग का ख्याल रखते हैं। अपनी तरफ से मुझे उन पर भरोससा है और मुझे विश्वास है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार होंगे। हालांकि, उनके इस बयान के 48 घंटे बाद दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड की एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि नॉर्टजे का सोमवार दोपहर को स्कैन किया गया था और 50 ओवर के टूर्नामेंट के लिए समय पर उनके ठीक होने की उम्मीद नहीं है। हालांकि, पिछले 6 आईसीसी आयोजनों में ये तीसरी बार है, जब एनरिक नॉर्टजे चोट के कारण बाहर हुए हैं और ये सभी वनडे टूर्नामेंट हैं। उन्हें 2019 वर्ल्ड कप में खेलना था, लेकिन टूर्नामेंट से पहले उनका अंगूठा टूट गया, फिर पीठ के निचले हिस्से में फैक्चर के कारण वह 2023 वर्ल्ड कप से चूक गए और अब 2025 चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं।

केविन पीटरसन बनना चाहते हैं टीम इंडिया का नया बैटिंग कोच, खुले आम कर दिया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप खिताब पर कब्जा जमाया और इसके साथ ही हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल पूरा हो गया। जिसके बाद गौतम गंभीर को टीम इंडिया का नया हेड कोच बनाया गया। गौतम गंभीर के साथ अभिषेक नायर टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच बने, जबकि साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्न मोर्कल गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़े। टी दिलीप टीम इंडिया के फील्डिंग कोच बने रहे, जबकि रेयान टेन डेशखाटे को टीम इंडिया का दूसरा असिस्टेंट कोच बनाया गया। द्रविड़ के कार्यकाल में विक्रम राठौर टीम इंडिया के बैटिंग कोच थे, जबकि पारस म्हाम्ब्रे टीम इंडिया के बॉलिंग कोच थे। गौतम गंभीर के कार्यकाल में टीम इंडिया का डाउनफॉल जिस तरह से हो रहा है, ऐसे में खबर आ रही है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) टीम इंडिया के लिए एक बैटिंग कोच की फिर से तलाश कर रही है, यह खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर फैली, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने अपनी उपलब्धता खुले आम बता दी। सोशल मीडिया पर टीम इंडिया के नए बैटिंग कोच की तलाश को लेकर की गई एक पोस्ट के जवाब में केविन पीटरसन ने लिखा, '1ड्डद्वड्डद्बद्द!' (उपलब्ध!), भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में बॉलिंग में पूरी तरह से जसप्रीत बुमराह पर निर्भर रहा है, वहीं बैटिंग में यशस्वी जायसवाल के अलावा कोई और बैटर कुछ खास नहीं कर पा रहा है। रोहित शर्मा और विराट कोहली की लगातार असफलता के बाद से इस बात की चर्चा हो रही है कि टीम इंडिया को फिलहाल एक बढ़िया बैटिंग कोच की जरूरत है। केविन पीटरसन की बात करें तो वह 44 साल के हैं और इंग्लैंड की ओर से कुल 104 टेस्ट, 136 वनडे और 37 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं।

कोहली-रूट स्मिथ और विलियमसन के बाद कौन होंगे नेक्स्ट जनरेशन के फैब-4, दिग्गजों की लिस्ट में एक भारतीय

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन और माइकल एथर्टन ने नेक्स्ट जनरेशन के फैब फोर बल्लेबाजों को चुना है, जिसमें भारत के यशस्वी जायसवाल और हैरी ब्रूक के अलावा कुछ प्लेयर शामिल हैं। पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने पाकिस्तानी के उभरते स्टार सैम अयूब को इस लिस्ट में रखा है, जबकि एथर्टन ने अपनी लिस्ट में दो उभरते बाएं हाथ के बल्लेबाज कामिंदू मेंडिस और रचिन रविंद्र को चुना है। फैब फोर शब्द न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी मार्टिन क्रो ने 2010 के दशक की शुरुआत में दिया था, जब उन्होंने ऐसे नाम चुने थे, जिनके बारे में उन्हें लगता था कि वे अगले कुछ सालों तक वर्ल्ड क्रिकेट पर छाए रहेंगे। उन्होंने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, इंग्लैंड के जो रूट, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को चुना। अब ये सभी खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं, ऐसे में अगली पीढ़ी के फैब फोर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पॉडकास्ट पर बात करते हुए हुसैन ने जायसवाल और ब्रूक को चुनने के बाद कहा, सैम अयूब को अभी चोट लगी है और यह निश्चित नहीं है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिट होंगे या नहीं, लेकिन वह सभी फॉर्मेट में पाकिस्तान के लिए टॉप ऑर्डर में एक डायनामिक खिलाड़ी हो सकते हैं। हुसैन ने ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को अपने अंतिम चयन के रूप में चुना, इससे पहले एथरटन ने उन्हें बताया कि 31 साल हेड अपनी उम्र के कारण इसमें फिट नहीं बैठते हैं। एथरटन ने श्रीलंका के कामिंडू मेंडिस और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र के साथ-साथ जायसवाल और ब्रूक को नए फैब फोर के रूप में चुना।

चार्ली डीन डब्ल्यूपीएल 2025 में आरसीबी टीम के लिए खेलेंगी

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए चोटिल सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट से परेशान है। उनके घुटने की सर्जरी होने के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज से भी बाहर हो गई हैं। डीन को पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में डब्ल्यूबीबीएल के दौरान घुटने में चोट लग गयी थी। जिसके कारण मोलिनक्स लगातार परेशानी से जूझ रही थी। वह मेलबर्न रेनेगेड्स की कप्तान होने के बावजूद 11 में से चार मैच नहीं खेली पायी। डीन ने इंग्लैंड के लिए खेले 36 टी-20 में 18.19 की शानदार औसत से 46 विकेट चटकाये हैं। आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मोलिनक्स के न खेल पाने की वजह से उनका डब्ल्यूपीएल में पर्दापण होगा।

स्मृति मंधाना बोलीं- विश्व कप की तैयारी शानदार, भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ साल बनाना होगा

एजेंसी

राजकोट। स्मृति मंधाना का मानना है कि वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखलाओं में 3 . 0 से मिली जीत इस साल होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की तैयारी के लिए शानदार है और उनकी टीम को इस साल को वनडे क्रिकेट में अपना सर्वश्रेष्ठ साल बनाना होगा । महिला वनडे विश्व कप इस साल भारत में होना है और मंधाना का मानना है कि लगातार छह वनडे जीतने के बाद अब उनकी टीम को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिल सकता है। उन्होंने बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा, विश्व कप वाले साल में 3 . 0 से मिली जीत खास है। हमें इस लय को कायम रखते हुए इस साल को वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ साल बनाना होगा। मंधाना (135) और प्रतिका रावल (154) के बीच पहले विकेटके लिये 233 रन की साझेदारी की मदद से भारत ने तीसरे वनडे में अपना सर्वोच्च स्कोर पांच विकेट पर 435 रन बनाकर 304 रन से जीत दर्ज की। मंधाना ने कहा,मैं खुलकर बल्लेबाजी करना चाहती थी । मैंने डगआउट में भी कहा था कि मैं अपने शॉट्स खेलूंगी क्योंकि हर बार ऐसा खेलने का मौका नहीं मिल पाता। वहीं रावल ने स्वीकार किया कि शतक के करीब पहुंचने पर वह थोड़ी धीमी पड़ गई थी लेकिन शतक पूरा होते ही तेजी से बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा, मैं हमेशा रनों का अंबार लगाना चाहती हूं और देश के लिये खेलते समय ऐसा कर पाना गर्व की बात है । 70 रन बनाने के बाद मैं थोड़ा संभलकर खेल रही थी लेकिन शतक पूरा होते ही मैने खुलकर खेलना शुरू किया।

फम्बो ने खाद्य सेवा उद्योग में नवाचार के लिए जुटाए 21 करोड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। फूडटेक स्टार्टअप कंपनी फम्बो ने परिचालन का विस्तार करने, निर्यात वर्टिकल स्थापित करने, प्रौद्योगिकी में निवेश करने और साझेदार फार्म नेटवर्क को बढ़ाने के लिए अपने प्री-सीरीज फंडिंग राउंड में 21 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

कंपनी ने गुरुवार को बयान जारी कर बताया कि इस फंडिंग का नेतृत्व ईवी2 वेंचर्स ने किया, जिसमें राजेश साहनी और कई अन्य अल्ट्रा हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (यूएचएनआई) ने भाग लिया। यह निवेश फम्बो के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो खाद्य अपशिष्ट को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और अत्याधुनिक खाद्य समाधान पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। मार्च 2022 में स्थापित फम्बो अपने एआई सक्षम प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से किसानों को सीधे रेस्तरां, होटल और क्लाउड किचन से जोड़ता है। यह ताज़ी उपज सुनिश्चित करने के साथ-साथ गुणवत्ता बनाए रखने और अपशिष्ट को कम करने पर ध्यान केंद्रित करता है। फम्बो इस फंड का उपयोग अपने परिचालन का विस्तार करने, निर्यात वर्टिकल स्थापित करने, प्रौद्योगिकी में निवेश करने और साझेदार फार्म नेटवर्क को बढ़ाने के लिए करेगा। वर्तमान में कंपनी 500 से अधिक रेस्टोरेंट और क्लाउड किचन को सेवाएं प्रदान करती है, जिनमें बर्गर किंग, मैकडॉनल्ड्स, फर्जी कैफे और बारबेक्यू नेशन जैसे ब्रांड शामिल हैं। ईवी2 वेंचर्स के जनरल पार्टनर करण मित्तल ने कहा, फम्बो का डिजिटल-फर्स्ट दृष्टिकोण कई मध्यस्थों को हटा देता है। यह ट्रेस करने योग्य और कस्टमाइज़्ड वितरण सुनिश्चित करता है। इससे न केवल रेस्तरां और होरेका उद्योग को लाभ मिलता है बल्कि किसानों की आय भी बढ़ती है। फम्बो के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कहा, हमने हर चरण में अपशिष्ट को खत्म कर आपूर्ति श्रृंखला को अधिक प्रभावी बनाया है। हमारा माइक्रो-प्रोसेसिंग सेंटर समय और लागत बचाने के साथ गुणवत्ता सुनिश्चित करता है। कंपनी के सीओओ सुदर्शन सातले ने बताया, हमारे एआई सक्षम प्लेटफ़ॉर्म ने मांग और आपूर्ति को मिलाकर एक प्रतिशत से कम अपशिष्ट सुनिश्चित किया है। कैलिफ़ोर्निया बुरिटो के संस्थापक बर्ट म्यूएलर ने कहा, फम्बो उच्च गुणवत्ता वाली ताज़ी सामग्री और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करता है। बर्गर किंग इंडिया के सप्लाई चेन एवीपी स्विकर गडपले ने कहा, फम्बो ने कृषि आपूर्ति श्रृंखला में नवाचार लाकर हमारे लिए सामग्री की गुणवत्ता और ट्रेसेबिलिटी को बेहतर बनाया है।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों पर आधारित हो सकता है आम बजट

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को अपना आठवां आम बजट पेश करेंगी जिसमें वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने का रोडमैप दिख सकता है।इस साल 1 फरवरी शनिवार को पड़ रहा है और उसी दिन बजट पेश किया जाएगा।

यह मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा और बजट आमतौर पर सुबह 11 बजे लोकसभा में पेश किया जाता है और उसके बाद उसे राज्यसभा के पटल पर भी रखा जाता है। वित्त मंत्री के रूप में श्रीमती सीतारमण का यह आठवां बजट होगा, जिसमें अब तक उनके द्वारा पेश किए गए दो अंतरिम बजट भी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की पूरी कोशिश वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की है और वित्त मंत्री का पूरा जोर इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह ही इन्फ्रास्ट्रक्चर व्यय, सामाजिक कल्याण, ग्रामीण भारत के साथ ही अर्थ व्यवस्था में हाल में आई नरमी को गति देने के उपायों पर हो सकती है। इसमें आम लोगों विशेषकर नौकरीपेशा लोगों को भी राहत मिल सकती है ताकि उनकी व्यय योग्य आय में वृद्धि हो सके और उनके व्यय से अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद मिल सके। आमतौर पर शनिवार को शेयर बाजार में अवकाश होता है लेकिन बजट पेश किये जाने के मद्देनजर शनिवार, 1 फरवरी को शेयर बाजार खुले रहेंगे। भारतीय शेयर बाजार (बीएसई और एनएसई) 1 फरवरी, 2025 को शनिवार होने के बावजूद खुले रहेंगे और बजट वाले दिन लाइव ट्रेडिंग सेशन होगा। शेयर बाजार द्वारा जारी एक सर्कुलर में इसकी पुष्टि की गई है। शनिवार को बाजार अपने नियमित समय के साथ सामान्य रूप से संचालित होंगे।

अगले वित्त वर्ष में विकास दर 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान : पीएचडीसीसीआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने बुधवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक सुस्ती और लगातार भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है और चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत की दर से बढने् की उम्मीद है। पीएचडीसीसीआई के पीएचडी रिसर्च ब्यूरो ने न्यू ईयर इकोनॉमिक्स पीएचडीसीसीआई इकोनॉमिक आउटलुक 2025 को आज यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जारी किया जिसमें ये बातें कही गयी है। इसमें कहा गया है कि अगले तीन वर्षों (2025-2027) में भारत शीर्ष 10 अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक लचीली अर्थव्यवस्था होगी। यह विश्लेषण प्रमुख मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों पर आधारित है, जिसमें जीडीपी की वृद्धि, निर्यात, बचत, निवेश और ऋण से जीडीपी अनुपात शामिल हैं। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा कि भू-राजनीतिक संघर्ष सीमाओं से परे इंटरनेशनल व्यापार, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं और वित्तीय बाजारों को प्रभावित कर वैश्विक मांग और आपूर्ति की गतिशीलता को प्रभावित करते हैं। चुनौतीपूर्ण बाहरी परिदृश्य के बीच भारत का भू-राजनीतिक महत्व काफी बढ़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इसकी सराहना हो रही है। भारत अपने भविष्य के विकास पथ पर महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है और मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे तथा गतिशील कारोबारी माहौल की बदौलत भारत की विकास गाथा जारी है। 2025 में भारत की जीडीपी 4 लाख करोड़ डॉलर को पार कर जाएगी और 2026 तक भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। श्री जैन ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के साथ, उम्मीद है।

सरकार ने स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आईटीसी के साथ किया करार

नयी दिल्ली। देश में उद्यमिता और नवाचार को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग ने देश के एक बड़े उद्योग समूह आईटीसी लिमिटेड के साथ साहभागिता का करार किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह समझौता ज्ञापन विशेष रूप से गतिशील साझेदारी का माहौल तैयार करेगा, जिसमें आईटीसी के व्यापक बाजार नेटवर्क के विशाल अनुभव और विशेषज्ञता देश भर में स्टार्टअप्स को सहयोग देने में डीपीआईआईटी की पहल का पूरक बनेगी। साझेदारी के तहत आईटीसी, विनिर्माण निष्पादन प्रणालियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, विनिर्माण स्थलों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा अवसरों का संयोजन, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्टार्टअप समाधान उपलब्ध कराएगा। डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा, हम स्टार्टअप के अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आकलन योग्य समाधान और परिवर्तनकारी विकास को बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं।

फिक्की ने आर्थिक विकास अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग संगठन फिक्की ने चालू वित्त वर्ष में देश का आर्थिक विकास अनुमान पूर्व के सात प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। फिक्की के आर्थिक आउटलुक सर्वेक्षण के गुरुवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वार्षिक औसत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो सितंबर 2024 में सात प्रतिशत के अनुमान की तुलना में कम है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में धीमापन आ सकता है। सर्वेक्षण के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र (संबंधित गतिविधियों सहित) में 3.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा जबकि उद्योग और सेवा क्षेत्रों की वृद्धि दर क्रमशः 6.3 प्रतिशत और 7.3 प्रतिशत रहने की संभावना है। त्योहारी मांग, सार्वजनिक पूंजी व्यय में सुधार और मानसून के बाद औद्योगिक गतिविधियों में तेजी से आर्थिक गतिविधियों को बल मिलने की उम्मीद है। फिक्की ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो दिसंबर 2024 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्वानुमान के अनुरूप है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितताओं के बावजूद, कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में कीमतों में नरमी और सेवा क्षेत्रों में सुधार के कारण विकास को समर्थन मिल सकता है। वहीं, भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार नीति में अनिश्चितता और जलवायु-प्रेरित व्यवधान वैश्विक व्यापार और विकास को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही, मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष से ऊर्जा बाजारों पर असर पड़ने की संभावना है। सर्वेक्षण में वर्ष 2025 के लिए भारत का आर्थिक दृष्टिकोण सतर्क आशावाद के साथ पेश किया गया है। बेहतर कृषि उत्पादन से ग्रामीण खपत में वृद्धि हो सकती है। आरबीआई के संभावित ब्याज दरों में कटौती उपभोक्ता खर्च को प्रोत्साहित कर सकती है। सरकार के पूंजीगत व्यय पर ध्यान केंद्रित रहने से सड़क, आवास, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश बढ़ेगा। हालांकि निजी पूंजीगत व्यय में धीमापन और घरेलू मांग में असमानता जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। अर्थशास्त्रियों ने सुझाव दिया कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण का लाभ उठाना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्धचालक और ऑटोमोटिव घटकों के क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए लक्षित नीतियां जरूरी हैं।

प्रधान सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, राजकुमार यादव द्वारा राज आफसेट एबीसी काम्पलेक्स अपोजिट शुभम सिनेमा क्वीनटन रोड कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित कराकर 424-बी वैशाली इंक्लेब सेक्टर 9 इंदिरानगर लखनऊ से प्रकाशित।
समस्त विवाद वाराणसी न्यायलय के अधीन होंगे। फोन नं. 9935781155 E-mail :- info.shakuntimes@gmail.com RNI: UPHIN/2012/45286 प्रधान कार्यालय :- शक्तिपीठ, बरईपुर, सारनाथ, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) पिन कोड - 221007

चुनाव के बीच आप की बढ़ी मुसीबत

सीएम आतिशी और संजय सिंह को कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

पूर्व कांग्रेस सांसद संदीप दीक्षित द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत के जवाब में दिल्ली की अदालत ने मुख्यमंत्री आतिशी और आप सांसद संजय सिंह को तलब किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल की अध्यक्षता वाली अदालत ने आप नेताओं से 27 जनवरी तक अपना जवाब देने का अनुरोध किया है।

मानहानि की शिकायत एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान आतिशी और सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों पर केंद्रित है, जहां उन्होंने कथित तौर पर दावा किया था कि दीक्षित को भाजपा से बड़ी मात्रा में धन मिला था। इसके अतिरिक्त, दीक्षित ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आप की चुनावी स्थिति को कमजोर करने के लिए भाजपा के साथ साझेदारी की है। संदीप दीक्षित वर्तमान में दिल्ली विधानसभा चुनाव में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनौती दे रहे हैं। मामले को 27 जनवरी की समयसीमा के बाद आगे की विवेचना के लिए निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा कि मैंने केस दायर कर दिया है। अब उन्हें सबूत देना चाहिए। संदीप दीक्षित ने कहा कि मुख्यमंत्री इस बात का सबूत नहीं दे पाए हैं कि हमने (भाजपा से) फंडिंग ली है। मैं कह रहा हूं कि अगर आतिशी जी सबूत नहीं देंगी तो उन्हें जेल भेजना हमारी जिम्मेदारी होगी। उन्होंने बार-बार कहा है कि केजरीवाल में उनसे पूछे जा रहे एक भी सवाल का जवाब देने की हिम्मत नहीं है। जिस दिन वह चुनाव हार

रसोई में रखा गैस-सिलेंडर फटा, बच्चे झुलसे, दम्पती की हालत नाजुक

एजेंसी

हल्द्वानी। मुखानी में रात एक भयावह हादसा हो गया। रसोई में खाना बनाते वक्त अचानक सिलेंडर फट गया और आग लग गई। आग की चपेट में आकर दम्पती और उसके बच्चे बुरी तरह जल गए। चारों को एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दम्पती की हालत चिंताजनक बनी हुई है। जयदेवपुर निवासी कमल सिंह रावत यहां अपनी पत्नी दुर्गा रावत, 8 साल के बेटे आकाश और 5 साल की बेटी रिया के साथ रहते हैं। बताया जाता है कि बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे दुर्गा रसोई घर में खाना बना रहीं थीं। पति कमल भी उनका हाथ बंटा रहे थे और बच्चे भी वहीं खेल रहे थे कि तभी धमाका हुआ और सिलेंडर फट गया। सिलेंडर फटते ही आग लग गई। किसी को बचने का मौका नही मिला और अभी आग की चपेट में आ गए। पल भर में चीख पुकार मच गई। शोर सुन दौड़े पड़ोसी मंजर देख सहम गए। बावजूद इसके पड़ोसी राहत कार्य मे जुटे और सूचना पुलिस को दी। पड़ोसियों ने किसी तरह आग से घिरे परिवार को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया।

बताया जा रहा है कि दम्पती 40 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं और उनकी हालत गभीर है। बताया यह भी जा रहा है सिलेंडर का पाइप काफी समय से लीक कर रहा था और उसी की वजह से हादसा हुआ। मुखानी थानाध्यक्ष विजय मेहता ने बताया कि सभी का अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त सामाचार

यादव ने 'स्पाडेक्स' की सफलता के लिए इसरो को दी बधायी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 'स्पाडेक्स' मिशन की सफलता के लिए बधायी एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया 'अंतरिक्ष जगत में भारत ने रचा पुन: इतिहास...हमें गर्व एवं आनंद है कि इसरो का 'स्पाडेक्स' मिशन सफल हुआ। अब अंतरिक्ष में दो सैटेलाइटों को जोड़ने वाला भारत विश्व का चौथा देश बन गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। इस सफलता के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों और देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

क्यूबा के सैन्य गोदाम में विस्फोट के बाद 13 सैनिकों की मौत

हवाना। क्यूबा के क्रांतिकारी सशस्त्र बल मंत्रालय (मिनफार) ने बुधवार को कहा कि एक सप्ताह पहले पूर्वी प्रांत होल्गुइन में एक सैन्य गोदाम में आग लगने और उसके बाद हुए विस्फोट में 13 सैनिकों की मौत हो गई है। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, विशेषज्ञों द्वारा की गई जांच और विश्लेषण से पता चला है कि राफेल फ्रेयर की नगर पालिका में मेलोन्स समुदाय स्थित घटनास्थल पर जीवित रहने की कोई संभावना नहीं है। बयान के अनुसार, कई दिनों के गहन काम के बाद यह निर्धारित किया गया कि घटना का संभावित कारण संरचना के अंदर शॉर्ट सर्किट के कारण हुई विद्युत की आपूर्ति बाधित होने से जुड़ा है। बयान में कहा गया है कि बेहद जटिल इलाके, जहरीली गैसों के जमाव, गंभीर संरचनात्मक क्षति और ढहने के खतरे के कारण साइट तक पहुंच असंभव है।

इज़रायली हवाई हमले में पांच फ़िलिस्तीनियों की मौत

रामल्ला। उत्तरी पश्चिमी तट में बुधवार को जेनिन शरणार्थी शिविर के अल-दमज पड़ोस पर इजरायली हवाई हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि शिविर पर इजरायली हवाई हमले के बाद पांच शवों को जेनिन सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। स्थानीय फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि दो मिसाइलों ने शिविर में दो घरों को निशाना बनाया, जिससे उनके कुछ हिस्से नष्ट हो गए। इज़रायली सेना के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि वायु सेना ने जेनिन शरणार्थी शिविर पर हमला किया, लेकिन अधिक विवरण नहीं दिया।

ऑस्ट्रेलिया में तूफान के कारण एक लाख से अधिक घरों में बिजली गुल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) में सिडनी और आसपास के इलाकों में आए भीषण तूफान के बाद एक लाख से अधिक घरों में बिजली गुल हो गई है। पूरे राज्य में बुधवार शाम और गुरुवार सुबह आए तेज आंधी-तूफान से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ। ऑस्ट्रेलिया के बिजली प्रदाता ऑसग्रिड ने आज सुबह कहा कि तूफान से कुल मिलाकर 140,000 ग्राहक प्रभावित हुए और अब 58,000 घरों और व्यवसायों में बिजली बहाल कर दी गई है। इस बीच ऑसग्रिड ग्राहकों ने बिजली लाइनों पर गिरे तारों, पेड़ों और शाखाओं सहित 560 से अधिक विद्युत खतरों की सूचना दी है।

भाजपा नेताओं ने संविधान को न तो पढ़ा है और न ही उसका सम्मान किया: राजा बडिंग

एजेंसी

चंडीगढ। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के इंडियन स्टेट से लड़ने वाले वाले बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा बडिंग ने कहा कि तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। श्री बडिंग ने गुरुवार को एक्स पर कहा, सच्चाई यह है कि भाजपा के नेताओं ने संविधान को न तो पढ़ा है और न ही उसका सम्मान किया है। जब श्री गांधी ने राज्य का उल्लेख किया, तो उनका मतलब उन व्यक्तियों से था जिन्होंने हमारे देश की संस्थाओं को भ्रष्ट कर दिया है। हालाँकि, हरदीप पुरी जी संविधान के अपने सीमित ज्ञान के कारण कथन को गलत समझते दिखे। कांग्रेस नेता गाँधी का हमारे देश के प्रति समर्पण और प्रेम जगजाहिर है, और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने से कोई भी व्यक्ति आश्वस्त नहीं होगा।

गाजा संघर्ष विराम समझौते में कुछ मुद्दे अनसुलझे आज रात अंतिम रूप देने की उम्मीद: इजरायल

एजेंसी

यरूशलम। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बुधवार को कहा कि इजरायल और हमास के बीच बंधकों की रिहाई के लिए गाजा युद्धविराम समझौते में कुछ मुद्दे अनसुलझे हैं, जबकि कुछ ही समय पहले स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने व्यापक रूप से रिपोर्ट किया कि दोनों देशों के बीच इस तरह का समझौता हो गया है। कार्यालय ने एक बयान में कहा कि फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर इजरायली बलों की तैनाती की मांग से हमास आखिरी क्षण में पीछे हट गया। यह गलियारा दक्षिणी गाजा और मिस्र के बीच की सीमा पर स्थित है। इसने कहा कि इस रियायत के बावजूद, समझौते के अंतर्गत कई मुद्दे अनसुलझे हैं और हमें उम्मीद है कि विवरण को आज रात अंतिम रूप दिया जाएगा। आज शाम एक मीडिया ब्रीफिंग में, इजरायली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि हमास ने अंतिम समय में नई शर्तें जोड़ दी, जिस पर देश को पूरी तरह से आपत्ति है। अधिकारी के अनुसार, हमास ने इजरायल द्वारा अनुमोदित पिछले दस्तावेजों और मानचित्रों के अलावा, फिलाडेल्फी कॉरिडोर से संबंधित नई मांगें पेश की। इजरायली सेना वर्तमान में क्षेत्र में तैनात है और वहां सैन्य चौकियां स्थापित की हैं। हालांकि, कतर में मध्यस्थों द्वारा इजरायल और हमास दोनों को प्रस्तुत मसौदा समझौते के अंतर्गत, इजरायल गलियारे में अपनी सेना में बहुत हद तक कमी करेगा।

ईएसआई अस्पताल फगवाड़ा में कर्मचारियों की भारी कमी

फगवाड़ा। पंजाब में फगवाड़ा के ईएसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) अस्पताल में चिकित्सा कर्मियों के लगभग 70 प्रतिशत पद खाली होने के कारण यहां इलाज के लिए आने वाले विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले सैकड़ों मजदूरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ईएसआई डॉ. मीनू बेदी टंडन ने गुरुवार को बताया कि नर्सों के 19 स्वीकृत पदों में से 14 पद रिक्त पड़े हैं, चिकित्सा अधिकारियों के नौ स्वीकृत पदों के मुकाबले तीन पद पिछले कई महीनों से रिक्त पड़े हैं। ईएसआई अस्पताल के लिए क्लर्क के पांच पद स्वीकृत हैं, लेकिन चार पद रिक्त हैं और केवल एक क्लर्क काम कर रहा था। कक्षा एक वी के 41 स्वीकृत पदों में से 29 पद रिक्त पड़े हैं, जबकि दो रसोइये, एक सफाई सेवक के स्वीकृत पद रिक्त पड़े हैं और केवल एक लैब तकनीशियन काम कर रहा है।

न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन ने ली सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद की शपथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शीर्ष अदालत परिसर में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों, अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

न्यायमूर्ति चंद्रन के शपथ ग्रहण के साथ ही शीर्ष अदालत की कुल निर्धारित 34 के मुकाबले न्यायाधीशों की संख्या 33 हो गई। न्यायमूर्ति चंद्रन इससे पहले मार्च 2023 से पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे।

केंद्र सरकार ने सोमवार (13 जनवरी) को एक अधिसूचना जारी कर शीर्ष अदालत में न्यायाधीश पद पर उनकी नियुक्ति से संबंधित घोषणा की थी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति ने न्यायमूर्ति चंद्रन को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया है।

न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति अभय एस ओका वाले कॉलेजियम ने सात जनवरी, 2025 को सर्वसम्मति से उन्हें शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी।

कॉलेजियम ने अपनी बैठक में सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति के लिए पात्र उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ अवर न्यायाधीशों के नामों पर विचार-विमर्श के बाद न्यायमूर्ति चंद्रन का चुनाव किया। मूल तौर पर केरल उच्च न्यायालय से आने वाले न्यायमूर्ति चंद्रन ने 11 वर्षों से अधिक समय तक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और एक वर्ष से अधिक समय तक एक बड़े उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया है।

न्यायमूर्ति चंद्रन के नाम की सिफारिश करते समय कॉलेजियम ने इस तथ्य को ध्यान में रखा है कि केरल उच्च न्यायालय से सर्वोच्च न्यायालय की पीठ में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। न्यायमूर्ति चंद्रन को आठ नवंबर 2011 को केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और 29 मार्च, 2023 को पटना में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था।

कॉलेजियम की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान न्यायमूर्ति चंद्रन ने कानून के विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है। वह उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में क्रम संख्या 13 पर हैं। केरल उच्च न्यायालय से आने वाले न्यायाधीशों की वरिष्ठता में वह पहले स्थान पर हैं। गौरतलब है कि केरल उच्च न्यायालय से मूल रूप से आने वाले न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार शीर्ष अदालत से पांच जनवरी, 2025 को सेवानिवृत्त हुए।

इजरायल और हमास के बीच गाजा युद्धविराम पर समझौता

एजेंसी

दोहा/काहिरा/यरूशेलम। कतर, मिस्र और अमेरिका के गहन मध्यस्थता प्रयासों के बाद इजरायल और हमास बंधकों के लिए गाजा युद्धविराम समझौते पर सहमत हो गए हैं। कतर के प्रधानमंत्री ने बुधवार को यह घोषणा की।

कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गाजा में दो परस्पर विरोधी पक्ष बंधकों और कैदियों की अदला-बदली तथा स्थायी शांति की ओर लौटने के संबंध में एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जिससे स्थायी युद्धविराम होगा। उन्होंने कहा कि समझौते का कार्यान्वयन रविवार 19 जनवरी से शुरू होगा। समझौते के मुताबिक फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले हमास पहले चरण में छह सप्ताह की अवधि में 33 बंधकों को रिहा करेगा। समझौते के पहले चरण के पूरा होने के बाद दूसरे और तीसरे चरण का विवरण घोषित किया जाएगा। श्री अल थानी ने समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करने और किसी भी संभावित उल्लंघन को संबोधित करने के लिए मिस्र और अमेरिका के साथ कतर की निरंतर प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

टीएमसी ने कांग्रेस को दिया बड़ा झटका, अभिषेक बनर्जी बोले- दिल्ली चुनाव में हम आप के साथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस को एक स्पष्ट संदेश में, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस के बजाय आप के साथ खड़ी रहेगी, क्योंकि आप में नई दिल्ली में भाजपा को हराने की क्षमता है। यह स्वीकार करते हुए कि तृणमूल के भीतर अंदरूनी कलह थी, उन्होंने स्पष्ट किया कि जब कोई राजनीतिक दल विकास के दौर से गुजर रहा हो तो गुटबाजी एक स्वाभाविक लक्षण है। उन्होंने कहा कि जब हमने इंडिया ब्लॉक का गठन किया, तो हम एक निर्णय का पालन करने के लिए सहमत हुए थे। हम सभी ने उस फैसले का समर्थन किया था। जो एक क्षेत्र में ताकतवर होगा, बाकी सभी पार्टियां उसका समर्थन करेंगी। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ताकतवर है। इसलिए, कांग्रेस, सपा, आप, राकांपा और भारत के अन्य सभी गठबंधन सहयोगी राज्य में तृणमूल के साथ खड़े होंगे।

क्षेत्रीय दलों के पक्षधर होने का यह सिद्धांत तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा इंडिया ब्लॉक की बैठकों के दौरान प्रस्तावित किया गया था। हालाँकि, बाद में विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच मतभेद हो गया। अभिषेक ने कहा कि नई दिल्ली में आप सरकार ने 70 में से 67 सीटें जीती थीं। जहां कांग्रेस ताकतवर है, हम उनके साथ खड़े रहेंगे। इसी तरह, जहां डीएमके या कोई अन्य पार्टी शक्तिशाली है, वहां रुख स्पष्ट रहता है। आपके अनुसार दिल्ली में कौन ताकतवर है? क्या यह कांग्रेस या आप है, हमें किसका समर्थन करना चाहिए? अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने के बाद अब आतिशी आप की सीएम हैं।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम उस पार्टी का समर्थन करेंगे जो बीजेपी के खिलाफ अपनी एकमात्र ताकत का इस्तेमाल कर रही है। जब हमारा लक्ष्य बीजेपी को हराना है तो हम बीजेपी के खिलाफ ताकत को कमजोर क्यों करेंगे? नहीं तो इससे बीजेपी को फायदा होगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी कांग्रेस से ज्यादा मजबूत है इसलिए उनकी पार्टी ने आप के साथ खड़े होने का फैसला किया है।

वानुअतु में समय से पूर्व हो रहे चुनाव

सुवा। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र वानुअतु द्वीप में राजनीतिक उठापटक के चलते राष्ट्रपति द्वारा संसद भंग किये जाने के बाद समय से पूर्व चुनाव हो रहे हैं। देश में गुरूवार को हो रहे मतदान के मद्देनजर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। यहां 18 निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 315,000 पंजीकृत मतदाताओं को देश के अगले 52 संसद सदस्यों (सांसदों) का चुनाव करने का मौका मिलेगा। वानुअतु चुनाव आयोग (वीईसी) ने इस चुनाव के लिए 202 योग्य उम्मीदवारों की घोषणा की है और 265 मतदान केंद्र मतदान के लिए खुले हैं। मतदान स्थानीय समयानुसार शाम करीब 04:30 बजे तक चलेगा। प्रधान चुनाव अधिकारी गुइलेन मालेसस ने कहा कि आधिकारिक गणना के लिए मतपेटियों को राजधानी पोर्ट विला वापस ले जाने से पहले सभी मतदान केंद्रों पर एक अनौपचारिक गिनती की जाएगी। संसदीय स्थायी आदेशों के अनुसार, नई संसद की पहली बैठक आधिकारिक चुनाव परिणाम घोषित होने के 21 दिनों के भीतर बुलाई जानी चाहिए।

RNI : UPHIN/2012/45286
शकुन टाइम्स
(राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत
YouTube shakuntimes
आवश्यकता है
भारत के समस्त राज्यों व जिलों में अनुभवी
और तेज तर्रार प्रेस रिपोर्टरों की
यदि आप में है गलत को गलत कहने की हिम्मत
तो शकुन टाइम्स में आपका स्वागत है
नोट : प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया में एक साथ कार्य करने का सुनहरा अवसर
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 9415052283, 9506320127
संपर्क कार्यालय : शक्तिपीठ,सारनाथ,वाराणसी (उ.प्र.) 221007